सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 227 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 31 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिन आंधी-बारिश की संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी से अब राहत मिलने लगी है। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में गरज-चमक, तेज हवा और बारिश की गतिविधियां जारी रहने का अनुमान जताया है। इस दौरान 50 से 60 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से तेज हवा चल सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान दुर्ग प्रदेश का सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 42.6एष्ट रिकॉर्ड किया गया। वहीं पेंड्रा रोड में न्यूनतम तापमान 24.2एष्ट दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। बिजली गिरने और बारिश की भी संभावना है। लोगों को खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी गई है।

भूमि अधिग्रहण पर 6 जून को जनसुनवाई

बीजापुर। भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकार तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के तहत भोपालपटनम तहसील के ग्राम कोंगुपल्ली में प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण के संबंध में सामाजिक प्रभाव आकलन अध्ययन के लिए 6 जून 2026 को प्रात: 11 बजे ग्राम कोंगुपल्ली में जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। जारी अधिसूचना के अनुसार कोमटपल्ली (कोकमपल्ली) व्यपवर्तन योजना के अंतर्गत मुख्य नहर, माइनर एवं सब माइनर नहर से प्रभावित किसानों की भूमि अर्जित की जानी है। इसके लिए ग्राम कोंगुपल्ली में कुल 0.169 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण प्रस्तावित है। परियोजना से 03 परिवार प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होंगे, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या शून्य है। परियोजना की कुल अनुमानित लागत 774.57 लाख रुपये निर्धारित की गई है तथा सामाजिक प्रभावों की प्रतिपूर्ति के लिए 5 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। योजना के पूर्ण होने पर ग्राम कोत्तापल्ली, उस्कालेड, कोगुपल्ली एवं पामगल क्षेत्र की लगभग 300 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे किसानों को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

रायगढ़ में मिली प्राचीन नाड़ी विज्ञान और आयुर्वेद की पांडुलिपियां, ताड़ पत्रों में है जीवंत

नाड़ी विज्ञान और आयुर्वेद का अद्भुत ज्ञान भंडार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में संरक्षित दुर्लभ ताड़ पत्र पांडुलिपियां न केवल आयुर्वेद और नाड़ी विज्ञान की विलक्षण विरासत को संजोए हुए हैं, बल्कि भारतीय चिकित्सा परंपरा के उस अद्भुत अध्याय को भी सामने लाती हैं, जिसने सदियों तक मानव जीवन को दिशा दी।

भारत सरकार द्वारा संचालित 'ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान' के अंतर्गत रायगढ़ जिला प्रशासन इन धरोहरों के संरक्षण, दस्तावेजीकरण के लिए कार्य कर रहा है। इसी क्रम में टीम को रायगढ़ के कोतरा रोड स्थित प्रख्यात नाड़ी वैद्याचार्य स्व पंडित विश्वनाथ मिश्रा से जुड़ी दुर्लभ ताड़ पत्र पांडुलिपियां मिली। पंडित विश्वनाथ मिश्रा के पुत्र पीतांबर मिश्रा ने बताया कि ये पांडुलिपियां पूर्णत: आयुर्वेद और नाड़ी विज्ञान से संबंधित हैं तथा उड़िया भाषा में लिखी गई हैं।

सामान्य रूप से नहीं दिखते अक्षर

पीतांबर मिश्रा ने कहा कि इन ताड़ पत्रों पर अंकित अक्षर सामान्य रूप से दिखाई नहीं देते। इन्हें पढ़ने की एक विशिष्ट पारंपरिक पद्धति है, जिसमें ताड़ पत्रों पर सेमी के पत्ते का रस लगाया जाता है। इसके बाद सदियों पुराने अक्षर स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आते हैं। लगभग दो सौ ताड़ पत्रों को इसी विधि से तैयार किया गया है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान और इतिहास का अमूल्य खजाना भी सिद्ध होगी

प्राचीन पांडुलिपियों की खोज

ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान' का उद्देश्य देशभर में बिखरी प्राचीन पांडुलिपियों की खोज, संरक्षण, डिजिटलीकरण और अध्ययन को बढ़ावा देना है। यह अभियान भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, चिकित्सा विज्ञान, दर्शन और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इनका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है।

रायपुर में 3 जून से सीसीपीएल का रोमांच छत्तीसगढ़ की 6 टीमों के बीच होंगे मैच

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने दी जानकारी

दर्शकों के लिए फ्री टिकट और रोज जीत सकेंगे कैश प्राइज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के तृतीय संस्करण का आयोजन 3 जून 2026 से 14 जून 2026 तक शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नवा रायपुर में किया जा रहा है। सीसीपीएल में दर्शकों के लिए फ्री टिकट रखा गया है और रोजना ढेरों इनाम भी हैं। दर्शकों के लिए फ्री में मैच देखने की सुविधा के साथ ही हर मैच में नगद इनाम जीतने का मौका भी है।

छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के संबंध में प्रेसवार्ता के दौरान संघ के पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण जानकारी दी। पहला मैच दिनांक 3 जून 2026 को

रायपुर रायनोस एवं राजनांदगांव पैथर्स में मध्य रात्री 9 बजे से खेला जायेगा। मैच के पहले संध्या 7.30 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगें। उद्घाटन समारोह में बॉलीबुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री मौनी रॉय अपनी प्रस्तुती देंगी। सीसीपीएल के इस सीजन में दर्शकों को प्रतिदिन शानदार पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा। 3 जून उद्घाटन मैच व 14 जून फाइनल मैच के पुरस्कार अलग होंगे। वहीं 4 जून 2026 से 12 जून 2026 तक लीग मैचों में 10,000 रुपए के 10 पुरस्कार प्रतिदिन दिए जाएंगे। इसके साथ ही स्टैंड पर बैठे दर्शक कैच लेकर भी 10 हजार का कैश प्राइज जीत सकते हैं।

ऐसे लें कॉन्टेस्ट में भाग

दर्शकों को www.ticketgenie.in के माध्यम से ऑनलाइन टिकट प्राप्त करना होगा। सभी टिकट नि:शुल्क उपलब्ध होगी। मैच के दिन दर्शक स्टेडियम में ऑनलाइन टिकट का स्क्रीनशॉट दिखा कर फिज़ीकल टिकट प्राप्त कर सकतें हैं।

यह हैं उद्घाटन मैच व फाइनल मैच के पुरस्कार

प्रथम पुरस्कार	टू व्हीलर वाहन
द्वितीय पुरस्कार	40,000 रुपए
तृतीय पुरस्कार	30,000 रुपए
चतुर्थ पुरस्कार	25,000 रुपए
पांचवा पुरस्कार	22,500 रुपए
छठा पुरस्कार	20,000 रुपए
सांतवा पुरस्कार	18,000 रुपए
आठवां पुरस्कार	16,500 रुपए
नवां पुरस्कार	14,000 रुपए
दसवां पुरस्कार	14,000 रुपए

टिकट के पीछे दिये गये फार्म में अपना नाम, मोबाइल नंबर तथा इमेल लिख कर दर्शक प्रवेश द्वार पर उपलब्ध बॉक्स में जमा करेगें तथा टिकट का कांउटर पार्ट अपने पास सुरक्षित रखेंगे। प्रतिदिन दूसरे मैच के इंनिग ब्रेक में कुपन निकाले जायेगें तथा विजेताओं के नाम मैदान में बडी स्क्रीन पर दर्शाये जायेगें।

दिग्गजों ने चुने 21वीं सदी के महान खिलाड़ी, सचिन सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज

नईदिल्ली। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने साल 2000 से 2025 के बीच के प्रदर्शन के आधार पर 21वीं सदी के सबसे बड़े क्रिकेटरों का चयन किया है। इस सूची में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज ऑलराउंडर जैक कैलिस, भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन को सबसे बड़ा सम्मान मिला। ज्यूरी ने सचिन को 21वीं सदी का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, मुरलीधरन को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और कैलिस को सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर चुना। वहीं महिला क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी को इस सदी की सबसे बड़ी इंटरनेशनल क्रिकेटर माना गया।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो ने इस दौरान 21वीं सदी के 25 सबसे बड़े पुरुष क्रिकेटरों की सूची भी जारी की। इस चयन में वसीम अकरम, ग्रेग चैपल, फाफ डुप्लेसिस, मैथ्यू हेडन, एंजेलो मैथ्यूज, टॉम मूडी, इयोन मॉर्गन, रवि शास्त्री, डेनियल विटोरी और शेन वॉटसन समेत 25 दिग्गजों ने मतदान किया।

कोहली तीसरे, पोंटिंग पांचवें नंबर पर

21वीं सदी के सबसे बड़े क्रिकेटरों की सूची में जैक्स कैलिस पहले स्थान पर रहे। सचिन तेंदुलकर दूसरे, विराट कोहली तीसरे, मुथैया मुरलीधरन चौथे और रिकी पोंटिंग पांचवें स्थान पर रहे। इस सूची में मौजूदा खिलाड़ियों में विराट कोहली, जो रूट, जसप्रीत बुमराह, केन विलियमसन और मिचेल स्टार्क भी शामिल हैं।

हुगली में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर हमला

हुगली। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर हुगली में हमला हुआ है। कल्याण बनर्जी आज टीएमसी कार्यकर्ताओं की रिहाई के लिए ज्ञापन देने गए थे। दावा किया गया है कि उसी दौरान उन पर हमला हुआ। गौरतलब है कि कल टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर भी हमला हुआ था। सोनारपुर में चुनाव बाद हुई हिंसा के पीड़ितों से मिलने पहुंचे अभिषेक बनर्जी के साथ धक्का मुक्की हुई और उनके कपड़े फाड़ दिए गए। इस दौरान उन पर अंडे फेंके गए और अभिषेक बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी की गई।

कल्याण बनर्जी रविवार को हुगली के

चंडीतला पुलिस स्टेशन में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ ज्ञापन देने पहुंचे थे। इस दौरान उनका विरोध शुरू हो गया और प्रदर्शनकारियों ने उन्हें काले झंडे दिखाए और उनके खिलाफनारेबाजी की। इस दौरान कथित तौर पर उन पर हमला किया गया। जिससे उनके सिर में चोट आने का दावा किया गया है। कल्याण बनर्जी के खिलाफ भी चोर-चोर के नारे लगाए गए। हमले के बाद कल्याण बनर्जी अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालात को नियंत्रित किया।

इससे पहले रविवार को टीएमसी महासचिव और पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी पर भी हमला हुआ था। अभिषेक बनर्जी पर हमले के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अभिषेक बनर्जी दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में चुनाव बाद हुई हिंसा के पीड़ितों से मिलने पहुंचे थे।

शादी समारोह के दौरान आइसक्रीम में छिपकली मिलने से मचा हड़कंप, प्रशासन से जांच की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिले के एर्राबोर क्षेत्र में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान आइसक्रीम में छिपकली मिलने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार समारोह में आंध्र प्रदेश से पहुंचे कुछ विक्रेता आइसक्रीम बेच रहे थे। इसी दौरान एक आइसक्रीम में छिपकली दिखाई देने के बाद मौके पर हड़कंप मच गया।

घटना के बाद समारोह में मौजूद लोगों ने तत्काल आइसक्रीम खाना बंद कर दिया और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर नाराजगी जताई। बताया जा रहा है कि मामले को लेकर कुछ देर तक अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही।

इधर, घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें आइसक्रीम के भीतर छिपकली दिखाई दे रही है। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में इस घटना को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। स्थानीय लोगों ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए प्रशासन से खाद्य पदार्थों की जांच और निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

आंधी-तूफान से बचने के लिए पेड़ के नीचे रुके ऊपर से गिर गई डाल, तीन दोस्तों की मौत

कोरबा। जिले के पाली थाना क्षेत्र में शनिवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। तेज आंधी-तूफान के बीच पेड़ की भारी डाल गिरने से तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना चोरका दांड गांव में हुई, जिससे पूरे गांव में मातम पसर गया।

शनिवार को सुबह से ही जिले में मौसम का मिजाज बदला हुआ था। अलग-अलग इलाकों में तेज बारिश और आंधी-तूफान देखने को मिला। शाम करीब 5 बजे पाली क्षेत्र में मौसम अचानक बिगड़ गया और तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हुई। चोरका दांड गांव के तीन युवक शिवराम टेकाम 14 वर्ष, कमलेश बड़ा 18 वर्ष और दिनेश तिर्की 17 वर्ष कहीं से लौट रहे थे। वे बारिश और आंधी से बचने के लिए एक बड़े पेड़ के नीचे रुक गए। कुछ ही देर बाद तेज आंधी के कारण पेड़ की एक बड़ी डाल टूटकर तीनों के ऊपर गिर गई। डाल इतनी भारी थी कि तीनों उसके नीचे दब गए और उनकी जान चली गई।

पाली थाना प्रभारी नागेश तिवाती ने घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मर्ग कायम कर आगे की जांच की जा रही है। परिजनों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

'मन की बात' कार्यक्रम में बोले पीएम- देश के एथलीट बना रहे रिकॉर्ड

पीएम मोदी ने एथलीट अनिमेष कुजूर और गुरिंदरवीर सिंह से की बात

नइदिल्ली। मन की बात के 134वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेल और खिलाड़ियों की चर्चा से शुरुआत की है। उन्होंने देश में चल रहे एथलेटिक्स चैंपियनशिप से शुरुआत की और एथलीट्स से भी बात की। पीएम मोदी ने कहा कि देश के एथलीट्स रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। 100 मीटर रेस में नेशनल रिकॉर्ड टूटा। गुरिंदरवीर सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

पीएम मोदी ने कहा, '100 मीटर दौड़ की

देशभर में काफी चर्चा हो रही है। महज दो दिनों के भीतर पुरुषों की 100 मीटर दौड़ का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा। गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर ने यह शानदार उपलब्धि हासिल की।' पीएम मोदी ने कहा, 'मैंने सोचा इस बार मन की बात में इन दोनों खिलाड़ियों से बात की जाए।' इसके बाद पीएम ने दोनों से बात भी की। पीएम मोदी ने कुजूर और गुरिंदरवीर से कहा, 'पिछले दिनों आप दोनों ने कमाल किया है। आप दोनों की जुगलबंदी भी शानदार है। हमने संगीत में तो जुगलबंदी देखी थी, लेकिन अब चुनौती में भी जुगलबंदी होती है कि एक बार कोई एक चुनौती दे और फिर दूसरा उस चुनौती को उठा ले, फिर तीसरी बार कर ले। मैं चाहता हूं कि मन की बात के श्रोताओं को आप के बारे में जानकारी हो, आपने जो पराक्रम किया है, उसका पता चले।'

इसके बाद अनिमेष कुजूर ने कहा, 'मैं 200 मीटर और 400 मीटर का नेशनल रिकॉर्ड होल्डर हूं। मैं छत्तीसगढ़ का रहने वाला हूं और फिलहाल ओडिशा से खेलता हूं। मैं पिछले साल राष्ट्रीय एशियन मेडल और वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में मेडल जीत चुका हूं। मैंने एथलेटिक्स 2021 में शुरू किया, जब मैं स्कूल से पास आउट हुआ था। मैं सैनिक स्कूल अंबिकापुर से पास आउट हूं। मैं पहले फुटबॉल खेला करता था। कोविड के समय मेरे परिवार वाले मुझे थोड़ी छूट देते थे कि तू जाकर बाहर दौड़ ले या खेल ले। जब कोविड खत्म होने लगा तो मेरे फुटबॉल के जो दोस्त थे, उन्होंने कहा कि स्टेट मीट होने वाला है। तू जाकर उसमें हिस्सा ले। मैंने उसमें हिस्सा लिया और मुझे पता नहीं था कि नेशनल लेवल पर सिलेक्शन हो जाएगा।

सूर्या हत्याकांड का मुख्य आरोपी असद मुठभेड़ में हुआ ढेर, एनकाउंटर में एक सिपाही भी घायल

गाजियाबाद। यूपी के खोड़ा कॉलोनी में 11वीं के छात्र सूर्या की हत्या का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया है। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि 11वीं के छात्र सूर्या चौहान की हत्या के मामले में त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस घटना का मुख्य आरोपी असद फरार था और पुलिस टीम ने उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था।

इस बीच पुलिस टीम को सूचना मिली कि असद खोड़ा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में अपने कुछ दोस्तों से मिलने जा रहा है। इस सूचना के आधार पर चेकपॉइंट स्थापित किए। इसी क्रम में असद और उसका एक दोस्त बाइक पर वहां पहुंचते नजर आए।

डीसीपी जायसवाल के मुताबिक पुलिस टीम ने उन्हें रोकने की कोशिश

की, लेकिन रुकने के बजाय उन्होंने पुलिस टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में पुलिस ने गोली चलाई, जिसमें असद को गोली लग गई। असद को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। गोलीबारी के एक कांस्टेबल भी घायल हो गया और उसे भी अस्पताल ले जाया गया है। असद की बाइक और गोली चलाने में इस्तेमाल की गई पिस्तौल बरामद कर ली गई है।

कुर्बानी के लिए बुलाकर मारा था चाकू

पुलिस के अनुसार सूर्या व मुख्यारोपी असद पहले से परिचित थे। दोनों अक्सर मिलते भी थे। बकरीद पर कुर्बानी दिलाने के लिए असद ने सूर्या को बुलाया था। मना करने पर ईद की पार्टी देने की बात कही। इसके बाद सूर्या आरोपी की बुलाई जगह पहुंचा। यहां जबरन सूर्या को कुर्बानी दिखाने की जिद करने लगा और मना करने पर विवाद हुआ। इसके बाद असद ने सूर्या को चाकू घोंप दिया। बताया जा रहा है कि चाकू के साथ सूर्या भागने लगा लेकिन असद व उसके दोस्तों ने पीछा कर उस पर ताबड़तोड़ हमले किए। इसके बाद अस्पताल में सूर्या की इलाज के दौरान मौत हो गई।

संपादकीय

जैसे तैसे ढाई साल का वादा पूरा किया

कर्नाटक में छत्तीसगढ़ की तरह सीएम पद के विवाद को भविष्य के लिए टालने कांग्रेस आलाकमान ने सिध्दारमैया को सीएम बना दिया था। शिवकुमार भी सिध्दारमैया के बाद ढाई साल सीएम बने रहने के लिए तैयार हो गए। ढाई साल तक इस मामले में कोई विवाद तो होना नहीं था क्योंकि दोनों को आलाकमान पर भरोसा था कि उन्होंने ढाई साल कहा है तो ढाई साल बाद सिध्दारमैया इस्तीफा देंगे और शिवकुमार को सीएम बनाया जाएगा। छत्तीसगढ़ की तरह विवाद तो ढाई साल बाद शुरू होना ही था और हुआ भी सिध्दारमैया के ढाई साल पूरे होने के बाद पिछले कई महीनों से कयास लगाए जा रहे थे कि आलाकमान ढाई साल पूरे हो गए हैं तो वह सिध्दारमैया को इस्तीफा देने को कहेगा और शिवकुमार के सीएम बनने का रास्ता साफ हो जाएगा।

> “ छत्तीसगढ़ की तरह विवाद तो ढाई साल बाद शुरू होना ही था और हुआ भी सिध्दारमैया के ढाई साल पूरे होने के बाद पिछले कई महीनों से कयास लगाए जा रहे थे कि आलाकमान ढाई साल पूरे हो गए हैं तो वह सिध्दारमैया को इस्तीफा देने को कहेगा और शिवकुमार के सीएम बनने का रास्ता साफहो जाएगा।
> शिवकुमार तो चाहते थे कि वादे के मुताबिक सीएम सिध्दारमैया को ढाई साल पूरे पर खुद ही इस्तीफा दे दें। ऐसा हुआ नहीं, महीनों सिध्दारमैया यही कहते रहे कि वह पूरे पांच साल के सीएम है,साथ ही यह भी जरूर कहते थे कि आलाकमान कहेगा तो वह सीएम का पद छोड़ देंगे।

शिवकुमार तो चाहते थे कि वादे के मुताबिक सीएम सिध्दारमैया को ढाई साल पूरे पर खुद ही इस्तीफा दे दें। ऐसा हुआ नहीं, महीनों सिध्दारमैया यही कहते रहे कि वह पूरे पांच साल के सीएम है,साथ ही यह भी जरूर कहते थे कि आलाकमान कहेगा तो वह सीएम का पद छोड़ देंगे। यानी वह बिना कहे सबको यह संदेश देते रहते थे कि आलाकमान ने उनको सीएम पद छोड़ने को नहीं कहा है तो वह पद कैसे छोड़ दें। इस तरह ढाई साल पूरा होने के बाद भी सिध्सदारमैया कई महीनों तक सीएम बने रहे। एम की कुर्सी मिल जाती है तो सिध्दारमैया हो या भूपेश बघेल या अशोक गहलोत छोड़ने का मन नहीं करता है। जो सीएम बन जाता है उसे लगता है कि सीएम बनने योग्य तो वही है। उससे अच्छा सीएम तो कोई हो नहीं सकता। जो सीएम बन जाता है तो ज्यादातर विधायक भी उसके साथ खड़े रहते हैं क्योंकि सत्ता की मलाई तो सत्ताधारी के साथ रहने पर ही मिलती है। भूपेश बघेल व अशोक गहलोत की तरह सिध्दारमैया भी आलाकमान को यह संदेश देते रहे कि सारे विधायक मेरे साथ हैं, मुझे सीएम बनाए रखने में ही पार्टी को फायदा है,मुझे सीएम पद से हटाने पर पार्टी को नुकसान हो सकता है। सिध्दारमैया कुछ महीने ही ऐसा कर सके और आखिर में मई 28 को उनको सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा है। सिध्दारमैया के इस्तीफा देने से शिवकुमार के सीएम बनने का रास्ता साफ हो गया है और कर्नाटक पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां पांच साल में कांग्रेस के दो सीएम होंगे। एक सिध्दारमैया तीन साल सीएम रह चुके है और आने वाले दो साल शिवकुमार सीएम रहेंगे। ऐसा इसलिए हो सका है क्योंकि समझाने वाले ने आलाकमान को समझा दिया है कि अगर शिवकुमार को वादे के मुताबिक सीएम नहीं बनाया गया तो जिस तरह छत्तीसगढ़,राजस्थान में नुकसान हुआ उसी तरह कर्नाटक में भी नुकसान हो सकता है। आलाकमान को य बात समझ में आ गई कि पार्टी को फायदा इसमें नहीं है कि सिध्दारमैया सीएम बने रहे, पार्टी को फायदा इसमें है कि दो साल शिवकुमार सीएम बने रहें।

कांग्रेस के पास बड़े राज्य में सत्ता वैसे ही कम है। तेलंगाना व हिमाचल तो छोटे राज्य हैं,कर्नाटक बड़ा राज्य है और केरल में इस बार कांग्रेस गठबंधन चुनाव जीता है। आलाकमान चाहता है कि केरल के साथ ही कर्नाटक भी उसके पास ही रहना चाहिए। शिवकुमार को सीएम इसी मकसद से बनाया जा रहा है। उनसे उम्मीद की जा रही है कि उन्होंने पिछले चुनाव में जिस तरह कांग्रेस को जिताया था,अगली बार उसी तरह जिताकर दिखाएं। आलाकमान ने शिवकुमार से किया वादा पूरा कर दिया है। अब शिवकुमार के सामने यह चुनौती होगी कि वह अगले चुनाव में कांग्रेस को दोबारा जिताकर दिखाएं। सिध्दारमैया ने इस्तीफा देते हुए यह कहा है कि उनसे आलाकमान ने इस्तीफा देने को कहा और उन्होंने दे दिया है। यानी वह आलाकमान के आज्ञाकारी हैं। अब यदि शिवकुमार अगला चुनाव नहीं जिता पाते हैं तो सिध्दारमैया पर कोई आंच नहीं आएगी। वह कह देंगे हार की जिम्मेदारी तो सीएम की होती है और मैं सीएम नहीं हूं। शिवकुमार कांग्रेस को जिताने में सफल रहते हैं तो कहेंगे कि इसका श्रेय उनके तीन साल के काम को जाता है।

ग्रेट निकोबार परियोजना से बढ़ी चीन की बेचैनी

पुष्परंजन

ग्रेट निकोबार द्वीप, मलक्का जलडमरूमध्य के पश्चिमी प्रवेश द्वार से लगभग 150 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है। इस भौगोलिक निकटता के कारण, निकोबार द्वीपसमूह हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच होने वाले वैश्विक व्यापार के लिए एक अत्यंत रणनीतिक समुद्री चौकी बन जाता है।

पेइचिंग के हाईतियन ज़िले में रनमिन यूनिवर्सिटी शोध के लिए प्रसिद्ध है। यहां चीनी विदेश रणनीति अध्ययन केंद्र के निदेशक जिन कैनरोंग ने अपने निजी वी-चैट अकाउंट पर प्रकाशित एक हालिया टिप्पणी में तर्क दिया, कि चीन की लंबे समय से चली आ रही 'मलाक्का दुविधा' अब और भी गंभीर होती जा रही है। चीन को डर है, कि मलाक्का जलडमरूमध्य पर उसकी भारी निर्भरता उसकी रणनीतिक कमज़ोरी बन सकती है। न्यूज़ एजेंसी रायटर्स ने अप्रैल में रिपोर्ट दी थी कि चीन के कच्चे तेल के आयात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा मलाक्का जलडमरूमध्य से होकर गुज़रता है, जबकि यह जलडमरूमध्य वैश्विक व्यापार का लगभग 22 फीसद और समुद्री तेल का 29 प्रतिशत हिस्सा संभालता है।

जिन कैनरोंग ने लिखा कि पहले चीन की चिंताएं मुख्य रूप से अमेरिका पर केंद्रित थीं, जिसकी वैश्विक नौसैनिक पहुंच में हिंद महासागर में दिएगो गार्सिया और सिंगापुर में चांगी नौसैनिक अड्डे जैसे ठिकाने शामिल हैं। उन्होंने कहा, लेकिन अब, भारत की भूमिका बढ़ रही है। यदि भारत ग्रेट निकोबार पर अपनी उपस्थिति मज़बूत करता है, तो इससे भारत को चीन की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एक संकरे समुद्री मार्ग (चोकप्वाइंट) पर अधिक प्रभाव डालने की शक्ति मिल सकती है।

भारत सरकार द्वारा ग्रेट निकोबार द्वीप पर लगभग 10 अरब डॉलर यानी लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की लागत से 'ग्रेट निकोबार विकास परियोजना' पर काम किया जा रहा है। इस रणनीतिक पहल का मुख्य उद्देश्य भारत के सबसे दक्षिणी छोर को एक विशाल वाणिज्यिक और सैन्य केंद्र में बदलना है। इस महात्वाकांक्षी परियोजना का लक्ष्य गलाथिया खाड़ी में एक बड़ा ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह (पोर्ट), अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक नई टाउनशिप और 450 मेगावाट का गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल है। रणनीतिक रूप से मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित यह केंद्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों (जैसे 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स') का मुकाबला करने में भारत की नौसैनिक क्षमता को बढ़ावा देगा।

इस पोर्ट के जरिए भारत अपने ट्रांस-शिपमेंट कार्गो के लिए सिंगापुर और कोलंबो जैसे विदेशी बंदरगाहों पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा। पूर्ण क्षमता पर, इस बंदरगाह से सालाना 1.6 करोड़ ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स (टीईयूएस) का संचालन होने का अनुमान है। भारत सरकार द्वारा 2021 में शुरू की गई यह योजना तेजी से विकास की ओर बढ़ रही है। सबसे बड़ी दिक्कत वर्षा वनों के बड़े पैमाने पर कटने की आशंका को लेकर पर्यावरणविदों और मानवाधिकार समूहों की चिंता है।

प्रोफेसर जिन कैनरोंग ने चीन को तीन सुझाव दिए हैं—पहला, चीन को एक अधिक शक्तिशाली 'ब्लू-वॉटर नेवी' (गहरे समुद्र में काम करने वाली नौसेना) बनानी चाहिए। चीन को अपने विमानवाहक पोत बेड़े के विकास में तेज़ी लानी चाहिए, और चीन के सबसे नए तथा सबसे उन्नत विमानवाहक पोत 'फुचियान' को जल्द से जल्द युद्ध के लिए तैयार करना चाहिए।

दूसरा, चीन को उन मार्गों पर काम में तेज़ी लानी चाहिए जो मलाक्का को बाईपास करते हैं। जिन ने म्यांमार के पश्चिमी तट पर स्थित चीन-समर्थित गहरे समुद्र के बंदरगाह 'क्याउकप्यू', प्रस्तावित चीन-म्यांमार रेलवे, और म्यांमार से चीन के दक्षिण-पश्चिमी युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग तक जाने वाली तेल और गैस पाइपलाइनों की ओर इशारा किया। उन्होंने थाईलैंड के प्रस्तावित 'क्रा लैंड ब्रिज' का भी ज़िक्र किया जो सड़क और रेल मार्ग के ज़रिए थाईलैंड की खाड़ी और अंडमान सागर को जोड़ने की एक योजना है और इसे इस जलडमरूमध्य पर चीन की निर्भरता कम करने का एक और तरीका बताया।

तीसरा, चीन को ताइवान मुद्दे का समाधान करना चाहिए। जिन ने तर्क दिया कि यदि पेइचिंग, ताइवान के प्रश्न को सुलझा लेता है, तो उसे पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर में अपनी गतिविधियों के लिए अधिक गुंजाइश मिल जाएगी। वहां से, चीन मलक्का के पास अपने हितों की रक्षा करने की बेहतर स्थिति में होगा।

भले ही चीन और भारत सीमा पर वर्षों के तनाव के बाद अपने संबंधों को सावधानीपूर्वक स्थिर करते दिख रहे हैं, जिनकी टिप्पणी से पता चलता है, कि रणनीतिक अविश्वास अब भी कितना गहरा है। ग्रेट निकोबार परियोजना से यह भी पता चलता है कि भारत को लेकर चीन की चिंताएं अब केवल ज़मीनी सीमा तक ही सीमित नहीं हैं। भारत को अब तेज़ी से एक समुद्री प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जा रहा है, जो हिंद महासागर और दक्षिण-पूर्व एशियाई समुद्री मार्गों तक चीन की पहुंच को प्रभावित कर सकता है, और भारत संभवतः पेइचिंग की सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक जीवन-रेखाओं में से एक के पास अपना प्रभाव बढ़ा सकता है।

ग्रेट निकोबार द्वीप, मलक्का जलडमरूमध्य के पश्चिमी प्रवेश द्वार से लगभग 150 किलोमीटर (90 नॉटिकल माइल) उत्तर-पश्चिम में स्थित है। इस भौगोलिक निकटता के कारण, निकोबार द्वीपसमूह हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच होने वाले वैश्विक व्यापार के लिए एक अत्यंत रणनीतिक समुद्री चौकी बन जाता है। अंडमान सागर के रास्ते मलक्का जलडमरूमध्य में प्रवेश करने या उससे बाहर निकलने के लिए जहाज़ों को 'सिक्स डिग्री चैनल' से होकर गुज़रना पड़ता है, जिससे वैश्विक शिपिंग मार्ग सीधे भारतीय क्षेत्र के निकट आ जाते हैं। इस निकटता के कारण, भारत इस महत्वपूर्ण मार्ग को सुरक्षित रखने और उस पर निगरानी रखने के लिए अपनी नौसैनिक अवसंरचना का बड़े पैमाने पर विस्तार कर रहा है, और ग्रेट निकोबार पर एक विशाल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल का निर्माण कर रहा है।

सिंगापुर जलडमरूमध्य के फिलिप्स चैनल में अपने सबसे संकरे बिंदु पर, मलाक्का जलडमरूमध्य की चौड़ाई सिर्फ़1.7 मील (2.7 किमी) है; इससे एक प्राकृतिक रुकावट पैदा होती है, साथ ही जहाज़ों के टकराने, ज़मीन से टकराने या तेल फैलने का भी खतरा बना रहता है। सालों से, यह जलडमरूमध्य समुद्री डकैती और व्यापारिक जहाजों पर हमलों का एक बड़ा केंद्र रहा है।

टैंकर ट्रैकर 'वोरटेक्सा' के आंकड़ों के अनुसार, 'यह संकरा और भीड़भाड़ वाला जलमार्ग पेइचिंग के लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण रहा है, क्योंकि चीन के समुद्री रास्ते से होने वाले कच्चे तेल के आयात का लगभग 75 फीसद हिस्सा इसी रास्ते से मध्य पूर्व और अफ्रीका से होकर गुजरता है।' होनोलुलु स्थित ईस्ट-वेस्ट सेंटर की एडजंक्ट फेलो, निलंथी समरनायके ने ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को भारत की 20 साल पुरानी ज़रूरत का सबसे नया अपडेट बताया। समरनायके ने कहा, 'अब जो बात अलग है, वह यह है कि इस प्रोजेक्ट को लेकर अब ज़्यादा तेज़ी दिख रही है।' निश्चित रूप से अपनी ऊर्जा सुरक्षा और चीन पर दबाव बनाये रखने के लिए निकोबार पोर्ट का विकास आवश्यक है। मगर, इस जगह वर्षा वनों के काटे जाने का विकल्प केंद्र सरकार ने क्या ढूंढ़ा है, उसे भी एड्रेस करना उतना ही ज़रूरी है।

लेखक भू-सामरिक मामलों के पत्रकार हैं।

अपनी शताब्दी से अनजान थी हिंदी पत्रकारिता

कृपा शंकर चौबे

जनवरी, 1931 तक यह माना जाता रहा कि हिंदी पत्रकारिता का जन्म 1845 ई. में हुआ। बाबू राधाकृष्ण दास ने 1894 में नागरी प्रचारिणी सभा से प्रकाशित अपनी पुस्तक 'हिंदी भाषा के सामयिक पत्रों का इतिहास' में 1845 में निकले 'बनारस अखबार' को हिंदी का पहला समाचार पत्र बताया था।

हिंदी पत्रकारिता की द्विशतवार्षिकी मनाई जा रही है। इसके पहले 1976 में उसकी सार्ध शतवार्षिकी मनाई गई थी। किंतु सौ साल पहले 1926 में हिंदी पत्रकारिता की शताब्दी नहीं मनाई जा सकी थी। इसका कारण यह है कि जनवरी, 1931 तक यह माना जाता रहा कि हिंदी पत्रकारिता का जन्म 1845 ई. में हुआ। बाबू राधाकृष्ण दास ने 1894 में नागरी प्रचारिणी सभा से प्रकाशित अपनी पुस्तक 'हिंदी भाषा के सामयिक पत्रों का इतिहास' में 1845 में निकले 'बनारस अखबार' को हिंदी का पहला समाचार पत्र बताया था, जिसके संचालक राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद और संपादक गोविंद रघुनाथ थत्ते थे। बाबू राधाकृष्ण दास की किताब 'हिंदी भाषा के सामयिक पत्रों का इतिहास' को आधार मानते हुए बाल मुकुंद गुप्त ने भी 'संवाद पत्रों का इतिहास : हिंदी अखबार' शीर्षक अपने निबंध में 'बनारस अखबार' को ही हिंदी का पहला अखबार लिखा। भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता के गंभीर अध्येता ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने बाबू राधाकृष्ण दास और बाल मुकुंद गुप्त के लेखन का हवाला देते हुए 'विशाल भारत' के फरवरी, 1931 के अंक में 'हिंदी का प्रथम समाचार पत्र' शीर्षक खोजपरक आलेख में लिखा, 'हिंदी का प्रथम समाचार पत्र 30 मई, 1826 को युगलकिशोर शुक्ल द्वारा कलकत्ता के कोल्हू टोला के आमड़ातला की 37 नंबर गली से प्रकाशित 'उदन्त मार्त्तण्ड' है।' ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने 'विशाल भारत' के मार्च, 1931 के अंक में 'हिंदी का प्रथम समाचार पत्र' शीर्षक लेख की दूसरी किस्त में 'उदन्त मार्तण्ड' के कुछ उद्धरण दिए, जिससे उस समय की पत्रकार कला और भाषा का पता चलता है। ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने इस लेख में बताया कि 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रथम पृष्ठ पर अखबार के नाम के नीचे छोटे अक्षरों में लिखा होता था अर्थात् फिर उसके नीचे संस्कृत में लिखा रहता था— संस्कृत के इस श्लोक का अर्थ है—सूर्य के प्रकाश के बिना जिस तरह अंधेरा नहीं मिटता, उसी तरह समाचार सेवा के बिना अज्ञ जन जानकार नहीं बन सकते। इसलिए मैं यह प्रयत्न कर रहा हूं। इससे स्पष्ट है कि युगल किशोर शुक्ल ने पाठकों के अज्ञान अंधकार को दूर करने और उन्हें जानकार बनाने यानी शिक्षित करने के ध्येय से 'उदन्त मार्तण्ड' निकाला। इस तरह हिंदी पत्रकारिता का यह आदि संकल्प है कि वह अपने पाठकों-श्रोताओं-दर्शकों को शिक्षित करे और विवेकवान बनाए।

उदन्तमार्त्तण्ड

इस कागज के प्रताएक का इश्तेहार

ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने इस लेख में 'उदन्त मार्तण्ड' के पहले अंक में प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित 'इस कागज के प्रकाशक का इश्तेहार' को यथावत् प्रस्तुत किया है। उन्होंने अखबार के भीतर के पन्नों पर प्रकाशित 'इश्तेहार', 'श्री श्रीमान् गवरनर जेनरेल बहादुर का सभा वर्णन', 'वह उल्था', 'फरासीस देश की खबर', 'ठट्टे की बात', 'बहुत मोटे ओ बड़े आदमी', 'अशुद्धता', 'और भी नई अशुद्धियां' तथा 'गवरनर बहादुर की खबर' शीर्षक सामग्री भी जस की तस प्रस्तुत की है। 'विशाल भारत' के अप्रैल, 1931 के अंक में 'हिंदी का प्रथम समाचारपत्र' शीर्षक लेख की तीसरी किस्त में ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने लिखा— 'विशाल भारत' के पिछले अंक में हिंदी के सर्व प्रथम समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के कुछ उद्धरण प्रकाशित किए गए थे। यहां और भी कुछ मनोरंजक उद्धरण प्रकाशित करता हूं। इस किस्त में ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने 'उदन्त मार्तण्ड' में प्रकाशित 'बिलायती कपड़ा', 'लूट की छूट', 'दालचीनी के पौधे', 'श्री बुद्धिप्रकाश रामायण अश्वमेध', 'सर्प दंशन विष उतारने की औषधि', 'कानूनी नोटिस' और 'मध्य देशीय भाषा के बारे में' शीर्षक सामग्री जस की तस प्रस्तुत की है। इसी किस्त में ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने अखबार के बंद होने की सूचना दी है। कानूनी कारणों एवं ग्राहकों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिलने के कारण युगल किशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' के 4 दिसंबर, 1827 के अंक में उसे बंद करने की घोषणा इस प्रकार की थी—

'आज दिवस लौ उग चुक्यों मार्तण्ड उदन्त। अस्ताचल को जात है दिनकर दिन अब अन्त।'

ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने 'विशाल भारत' के मई, 1931 के अंक में एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखी है जिसका शीर्षक है 'उदन्त-मार्तण्ड के संबंध में'। इसमें उन्होंने लिखा है—हिंदी के सर्वप्रथम समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के संपादक कानपुर निवासी पंडित युगलकिशोर शुक्ल थे। युगल किशोरजी पहले कलकत्ते की सदर दीवानी अदालत में प्रोसिडिंग रीडर थे। फिर उसी अदालत में वकालत करने लगे थे। 'उदन्त मार्तण्ड' के अस्त होने के कई वर्ष बाद युगलकिशोर शुक्ल ने एक दूसरे हिंदी पत्र को जन्म दिया था, जिसका नाम 'सामदंड मार्तण्ड' था; परंतु वह भी अधिक दिन तक न चल सका। यह खोज देश के समक्ष आई तब तक हिंदी पत्रकारिता की शताब्दी बीत चुकी थी। हिंदी पत्रकारिता की शताब्दी तो नहीं मनी, उसकी द्विशताब्दी उसकी आदि प्रतिज्ञा के स्मरण का अवसर है।

लेखक महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में प्रोफेसर हैं।

शहरी बुनियादी ढांचा पर्यावरण अनुकूल

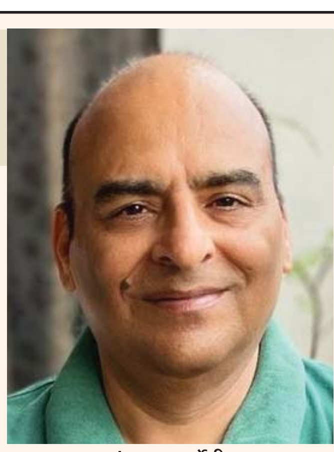

पंकज चतुर्वेदी

आईसीएमआर और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टें सचेत कर रही हैं कि अत्यधिक गर्मी और लगातार अधूरी नींद इंसानी शरीर के भीतर तापमान नियंत्रित करने की क्षमता को नष्ट कर देती है। जब लगातार कई दिनों तक इंसान की नींद पूरी नहीं होती, तो शरीर में तनाव बढ़ाने वाला हार्मोन 'कोर्टिसोल' अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगता है।

जेठ की तपती दोपहरी में जब पारा 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है, तो महानगरों की आलीशान इमारतों के पीछे छिपा एक डरावना और कड़वा सच बाहर आने लगता है। दिनभर की हाड़-तोड़ मेहनत और चिलचिलाती धूप का सामना करने के बाद जब एक आम कामकाजी इंसान शाम को अपने घर लौटता है, तो उसे कुछ पल के सुकून और चैन की नींद की उम्मीद होती है। लेकिन आधुनिकता और अनियंत्रित विकास के दौर में हमारे महानगर रहने लायक ठिकाने कम और 'तपते तवे' अधिक बन चुके हैं। बुनियादी ढांचे का चरमराना, 'अर्बन हीट आइलैंड' का बढ़ता प्रभाव, पानी का गंभीर संकट और उस पर से बेहिसाब बिजली कटौती ने इंसान के जीवन को एक दुःस्वप्न में बदल दिया है। संकट अब शारीरिक थकावट या पसीने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें गंभीर रूप से शारीरिक व मानसिक रूप से बीमार बना रहा है।

मान्यता है कि सूर्यास्त के बाद धरती ठंडी होती है और रातें सुकून देती हैं। लेकिन हमारे महानगरों में यह प्राकृतिक चक्र पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है, जिसका मुख्य कारण 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव है। जब किसी शहर में पेड़-पौधों, तालाबों और खुली जमीनों को बेरहमी से खत्म करके वहां डामर की सड़कें, कंक्रीट की बहुमंजिला इमारतें और कांच के शीशों से ढके टॉवर खड़े कर दिए जाते हैं, तो वे दिनभर सूरज की भीषण गर्मी को अपने भीतर सोख लेते हैं। रात के समय, जब तापमान कम होना चाहिए, ये कंक्रीट के ढांचे उस सोखी हुई गर्मी को वापस वातावरण में छोड़ना शुरू करते हैं। 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट' के वैज्ञानिक अध्ययन पुष्टि करते हैं कि महानगरों में रात का तापमान ग्रामीण या खुले इलाकों की तुलना में 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज हो रहा है। इसका सीधा अर्थ यह है कि महानगरों में रातें अब दिनों से भी ज्यादा भारी और उमस भरी हो रही हैं।

इस भयंकर रात की उमस में जब 'पावर कट' या बिजली कटौती का झटका लगता है, तो नागरिक पूरी तरह असहाय हो जाता है। इन्वर्टर कुछ घंटों में दम तोड़ देते हैं, पानी की मोटरें शांत हो जाती हैं और हवा का नामोनिशान मिट जाता है। आईसीएमआर और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टें सचेत कर रही हैं कि अत्यधिक गर्मी और लगातार अधूरी नींद इंसानी शरीर के भीतर तापमान नियंत्रित करने की क्षमता को नष्ट कर देती है। जब लगातार कई दिनों तक इंसान की नींद पूरी नहीं होती, तो शरीर में तनाव बढ़ाने वाला हार्मोन 'कोर्टिसोल' अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगता है। यही कारण है कि लोग 'एक्यूट' यानी गंभीर और अचानक उभरने वाली बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। बड़े शहरों के सरकारी अस्पतालों की आपातकालीन ओपीडी के आंकड़े बताते हैं कि मई-जून के महीनों में हीट स्ट्रोक, अचानक ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्रेन स्ट्रोक, गंभीर डिहाइड्रेशन और किडनी फेलियर के मामलों में एक-तिहाई से ज्यादा की वृद्धि देखी जा रही है। जब पानी का अभाव और अगले दिन बिना सोए दफ्तर या काम पर जुटने की चिंता जुड़ती है, तो इंसान अंदर से पूरी तरह टूट जाता है।

संकट का सबसे भयावह और मूक पहलू महानगरों में मानसिक रोगियों की बढ़ती फौज है। गर्मी और बिजली संकट को अक्सर हम केवल एक भौतिक या प्रशासनिक समस्या मानते हैं, लेकिन यह सीधे तौर पर हमारी मानसिक सुदृढ़ता पर हमला कर रहा है। 'द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ' में प्रकाशित एक शोध के अनुसार, तापमान में प्रति एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और अवसाद के मामलों में दो प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी होती है। लगातार अनिद्रा और शारीरिक कष्ट के कारण लोग गंभीर चिड़चिड़ेपन, घबराहट और क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम का शिकार हो रहे हैं। अत्यधिक गर्मी से उसकी मानसिक सहनशीलता समाप्त हो जाती है। महानगरों में घरेलू हिंसा, सड़कों पर मामूली बात पर होने वाली 'रोड रेज' की हिंसक घटनाएं और दफ्तरों में कर्मचारियों के बीच बढ़ते टकराव के पीछे इस 'थर्मल स्ट्रेस' का बहुत बड़ा हाथ है। मनोचिकित्सकों के अनुसार, इन दिनों ओपीडी में आने वाले हर पांचवें मरीज में अनिद्रा और गर्मी जनित मानसिक तनाव मुख्य कारण बनकर उभर रहा है।

यह स्थिति हमारी नीतिगत विफलताओं का आईना है। गर्मियों के दिनों में महानगरों के उपनगरों और रिहायशी सोसायटियों में हाहाकार मचा रहता है। ट्रांसफार्मर फुंकने और केबल जलने की घटनाएं आम हैं क्योंकि बिजली के बुनियादी ढांचे पर क्षमता से अधिक लोड है। हर कोई अपनी जान बचाने के लिए एसी और कूलर चलाने को मजबूर है, लेकिन हमारा वितरण ग्रिड इस मांग को संभालने में सक्षम नहीं है।

ऐसे में अमीर वर्ग तो भारी-भरकम डीजल जनरेटरों के सहारे कुछ राहत पा लेता है, जो खुद प्रदूषण बढ़ाकर हवा को और गर्म करते हैं, लेकिन मध्यम और निम्न वर्ग के लोग कंक्रीट के छोटे-छोटे कमरों में 'तंदूर' की तरह पकने को मजबूर हैं। पानी के टैंकरों के पीछे लगती लंबी लाइनें और पानी के लिए होते झगड़े प्रमाण हैं कि नगरीय ढांचा चरमरा चुका है।

यदि हमें अपने शहरों को बीमारों का घर बनने से रोकना है, तो पारंपरिक सोच से हटकर नए और साहसिक कदम उठाने होंगे। प्रशासन को चाहिए कि दिन के बजाय रात के समय आवासीय परिसरों और कॉलोनियों की सड़कों पर स्प्रिंकलर ट्रकों को लगातार चलाए। इससे 'अर्बन हीट आइलैंड' के प्रभाव को सीधे तौर पर कम किया जा सकता है। इससे डामर और कंक्रीट द्वारा सोखी गई गर्मी शांत होगी, जिससे रात के तापमान में गिरावट से कुछ राहत मिल सकेगी।

इसके साथ ही, शहरी नियोजन में 'व्हाइट रूफिंग' को बढ़ावा देना होगा और बिजली वितरण प्रणाली को सौर ऊर्जा के ग्रिड से जोड़कर मजबूत करना होगा ताकि ग्रिड फेल होने की नौबत न आए। बिजली, पानी और ठंडी हवा अब कोई विलासिता नहीं, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन जीने के मौलिक अधिकार का हिस्सा हैं। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में शहरों के बुनियादी ढांचे को पर्यावरण के अनुकूल और मानवीय बनाना होगा।

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

प्रमुख खबरें

डायरिया-पीलिया रोकने, पानी के नमूनों की होगी जांच

भिलाई। आगामी वर्षा ऋतु में जलजनित एवं मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर नगर पालिका निगम भिलाई में शुक्रवार को अंतरविभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में निगम आयुक्त राजीव पांडे की उपस्थिति में स्वास्थ्य विभाग और निगम अधिकारियों ने डायरिया, पीलिया, डेंगू तथा मलेरिया की रोकथाम के लिए आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. सीबीएस बंजारे ने जलजनित रोगों की रोकथाम संबंधी जानकारी दी, जबकि जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. रश्मि ग्लैड ने डेंगू एवं मलेरिया नियंत्रण के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। डायरिया और पीलिया से प्रभावित क्षेत्रों के पेयजल स्रोतों की जांच के लिए जोन स्तर पर तथा पेयजल विभाग के माध्यम से पानी के नमूने लिए जाएंगे।

ट्रांसपोर्ट नगर की समस्याओं पर संगठन ने सौंपा ज्ञापन

भिलाई। छत्तीसगढ़ ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, भिलाई-3 के निगम आयुक्त डीएस राजपूत और महापौर निर्मल कोसरे को ज्ञापन सौंपकर ट्रांसपोर्ट नगर की समस्याओं से अवगत कराया। एसोसिएशन ने दस प्रमुख मांगें रखते हुए कहा कि बार-बार सूचना देने के बावजूद समाधान नहीं हो रहा है। प्रतिनिधियों के अनुसार आने-जाने के लिए बनी सड़कों पर मैकेनिक और ट्रांसपोर्टर वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे आवागमन बाधित होता है और आपात स्थिति, खासकर किसी की तबीयत बिगड़ने पर, बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है।

आजीविका संवर्धन के लिए मिली एक लाख की मदद

दुर्ग। जनपद पंचायत धमधा के ग्राम मलपुरी कला निवासी भरत निषाद के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। निषाद मत्स्य पालन व्यवसाय से जुड़े हैं। निषाद व्यवसाय के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता महसूस कर रहे थे। जब वे मलपुरी कला गांव में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में पहुंचे तब विभाग द्वारा उनकी मांग एवं पात्रता का परीक्षण कर त्वरित कार्यवाही की गई। मत्स्य पालन विभाग ने योजना के अंतर्गत उन्हें आजीविका संवर्धन के लिए एक लाख रुपए की वित्तीय सहायता राशि का चेक प्रदान किया।

राम कथा समापन, हवन के बाद भंडारा कराया गया

भिलाई। भिलाई के वार्ड 30 स्थित प्रगति नगर में पानी टंकी के पास राम-जानकी मंदिर में आयोजित नौ दिवसीय राम कथा का समापन हुआ। अंतिम दिन हवन के बाद भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कथावाचक नरेंद्र रामदास, अयोध्या धाम ने 19 से 27 मई के बीच प्रतिदिन शाम को कथा का वाचन किया। प्रवचनों में राम जन्म, शिव विवाह, धनुष यज्ञ, सीता-राम विवाह, वन गमन और राज्याभिषेक जैसे प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिससे क्षेत्र में भक्ति का माहौल बना रहा।

सूखी गर्म हवा से शुष्क हो रही आंखें, तेजी से बढ़े मरीज, इन सावधानियों से कर सकते हैं आंखों की सुरक्षा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और तेज धूप का असर अब लोगों की आंखों पर भी साफ दिखाई देने लगा है। अस्पतालों और नेत्र रोग विशेषज्ञों के पास आंखों में जलन, सूखापन, लालिमा, खुजली और पानी आने की शिकायत लेकर पहुंचने वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान के नेत्र रोग विभाग की ओपीडी में 20 प्रतिशत मरीज बढ़ गए।

ओपीडी में पहले जहां प्रतिदिन 60-80 मरीज पहुंचते थे वहीं अब उनकी संख्या बढ़कर 80-100 तक पहुंच गई। अत्यधिक तापमान, गर्म हवाएं और धूलभरा वातावरण आंखों की प्राकृतिक नमी को प्रभावित कर रहा है, जिससे ड्राई आई सिंड्रोम के मामले बढ़ रहे हैं।

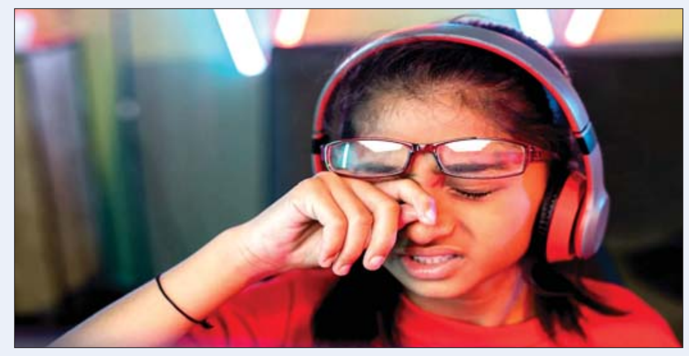

नेत्र विशेषज्ञ डॉ ऋचा वर्मा का कहना है कि गर्मी के मौसम में आंखों की सतह पर मौजूद टियर फिल्म तेजी से सूखने लगती है। इससे आंखों में चुभन, भारीपन और धुंधला दिखाई देने जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। लंबे समय तक मोबाइल, लैपटाप और टीवी स्क्रीन देखने से भी परेशानी और बढ़ रही है, क्योंकि स्क्रीन पर लगातार देखने से पलक झपकाने की प्रक्रिया कम हो जाती है।

दोपहर के समय तेज धूप और अल्ट्रावायलेट किरणों का सीधा प्रभाव आंखों को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में बाहर निकलते समय यूवी प्रोटेक्शन वाले सनग्लास का उपयोग करना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना, आंखों को बार-बार ठंडे पानी से धोना और धूलभरी जगहों से बचाव करना जरूरी है। आंखों में लगातार जलन या लालिमा रहने पर बिना चिकित्सकीय सलाह के आई ड्राप का इस्तेमाल न करें।

सुबह साढ़े पांच बजे मोहल्ले में धमके निगम आयुक्त, सफाई में लापरवाही देख हुए नाराज

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ सामुदायिक भवन, निर्माणाधीन सुलभ शौचालय और आमजनों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय आज सुबह से ही एक्शन मोड में नजर आए। आयुक्त ने सुबह ठीक 5 :30 बजे वार्ड क्रमांक 17 का औचक निरीक्षण किया।

लगभग 2 घंटे तक चले इस सघन निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड की सफाई व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। नेहरू भवन का अवलोकन किया गया आवश्यक व्यवस्था में सुधार हेतु निर्देशित किए हैं। निर्माणाधीन सुलभ शौचालय का निरीक्षण किया आम नागरिकों से इसके उपयोग के संबंध में चर्चा किया गया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने वार्ड की गलियों, मुख्य सड़कों और ड्रेनेज सिस्टम का जायजा लिया। उन्होंने सफाई कर्मियों की उपस्थिति के विषय में जानकारी ली और कचरा संग्रहण की स्थिति को भी देखा।

वार्ड भ्रमण के दौरान जिन भी स्थलों पर सड़कों पर निर्माण सामग्री या अन्य प्रकार की बाधा पाई गई, उस पर आयुक्त ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। साथ ही, सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वाले स्थलों को चिह्नित करते हुए उन्होंने कचरा फेंकने वालों के खिलाफ संबंधित अधिकारियों को तत्काल सख्त वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

निरीक्षण के दौरान निगम के स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी, सफाई पर्यवेक्षक एवं एजेंसी प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित थे। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वार्ड 17 की तरह ही शहर के अन्य वार्डों में भी सुबह का औचक निरीक्षण जारी रहेगा। वे कभी भी कहीं भी पहुंचेंगे।

> “ शहर को स्वच्छ रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्य सड़कों या गलियों में कचरा फेंकना और आवागमन बाधित करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारी नियमित रूप से निगरानी रखें और लापरवाही बरतने वालों पर तत्काल जुर्माना लगाएं।
>
> आयुक्त
> **राजीव कुमार पांडेय**

निरोग-आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योग व आयुर्वेद की महत्वपूर्ण भूमिका

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। स्वामी रामदेव के शिष्य एवं पतंजलि योग समिति के मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थ देव के सानिध्य में तीन दिवसीय निशुल्क योग एवं पंचकर्म चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ शनिवार की सुबह हुआ। मनसा कॉलेज कोहका में आयोजित इस शिविर के पहले दिन लगभग 600 से 700 शिविरार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

अपने उद्बोधन में पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थ देव ने आयुर्वेद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए दैनिक जीवन में उपयोगी सरल घरेलू औषधियों एवं स्वास्थ्यवर्धक उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, निरोग और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योग और आयुर्वेद की महत्वपूर्ण भूमिका है। साथ ही उन्होंने पतंजलि योगपीठ के उन समर्पित कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया जो योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यकर्ता भविष्य के निरोग, सशक्त और संस्कारित भारत के वास्तविक निर्माता हैं।

कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन अनूप बंसल (सह राज्य प्रभारी, भारत स्वाभिमान न्यास), जयंत विष्णु भारती (राज्य प्रभारी, युवा भारत) तथा नरेंद्र पटेल (जिला प्रभारी, पतंजलि योग समिति) द्वारा किया जा रहा है।

शिविर के उद्घाटन अवसर पर राकेश दुबे (सदस्य, योग आयोग), छविराम साहू (राज्य प्रभारी, भारतीय शिक्षा बोर्ड), मनसा कॉलेज के डायरेक्टर संजीव सक्सेना और मेजर सिंह (सेक्रेटरी, योगासन इंडिया) उपस्थित थे।

सेनानिवृत्ति पर 101 कर्मचारियों को भिलाई इस्पात संयंत्र बिरादरी ने दी भावभीनी विदाई

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से मई माह 2026 में कुल 101 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए, जिसमें खदान बिरादरी के 10 सदस्यों सहित 17 कार्यपालक व 74 गैर-कार्यपालक शामिल हैं।

कार्यपालकों हेतु विदाई समारोह का आयोजन इस्पात भवन स्थित निदेशक प्रभारी सभागार में किया गया। निदेशक प्रभारी श्री चित्त रंजन महापात्र ने कार्यपालकों को सेवानिवृत्ति आदेश प्रदान किया तथा उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें स्वस्थ एवं सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक एके चक्रवर्ती, प्रवीण निगम, पवन कुमार, प्रबीर कुमार सरकार, तुषार कांत उपस्थित रहे।

निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों से आत्मीय संवाद कर संयंत्र के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में उनके अनुभव और सुझाव आमंत्रित किए, जिन पर निदेशक प्रभारी एवं कार्यपालक निदेशकों ने विस्तार से चर्चा की। सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों ने अपने कार्यकाल की यात्रा साझा करते हुए अनुभवों एवं विचारों को व्यक्त किया। कार्यपालक निदेशकों ने सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों को जीवन के नए पड़ाव के लिए अपनी शुभकामनाएँ दीं।

30 मई 2026 को भिलाई निवास में आयोजित समारोह में संयंत्र के गैर-कार्यपालकों को भावभीनी विदाई दी गई। भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम, महाप्रबंधक के सुपर्णा, उप महाप्रबंधक प्रताप शेखर नायक और उप राजेंद्र प्रसाद ने कार्मिकों को सेवानिवृत्ति आदेश प्रदान किया। संयंत्र प्रबंधन ने विदा होने वाले इस्पात बिरादरी के सदस्यों के योगदान को रेखांकित करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की।

निःस्वार्थ सेवा भाव समिति ने स्थापना दिवस पर जीव सेवा के लिए वितरित किया सकोरा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। निस्वार्थ सेवा भाव समिति के स्थापना दिवस के पावन अवसर पर समिति द्वारा बेजुबान पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम, करुणा एवं सेवा भाव का संदेश देते हुए आमजन को नि:शुल्क सकोरा वितरित किए गए।

भीषण गर्मी में जब इंसान तो अपनी प्यास बुझा लेता है, लेकिन आसमान में उड़ने वाली नन्ही चिड़िया रानी और बेजुबान पशु पानी की एक बूंद के लिए तड़प जाते हैं। इसी संवेदना को समझते हुए समिति ने लोगों से भावुक अपील की कि अपने घरों, छतों, आंगन एवं आसपास दाना और पानी अवश्य रखें।

समिति का मानना है कि इंसानियत केवल लोगों की सेवा तक सीमित नहीं, बल्कि हर उस

बेजुबान जीव की रक्षा और देखभाल में भी है, जो अपनी पीड़ा शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। अगर आपके घर की छत पर रखा एक छोटा सा सकोरा किसी प्यासे पक्षी की जान बचा दे, तो उससे बड़ा पुण्य और मानवता का कार्य कोई नहीं।

निस्वार्थ सेवा भाव समिति ने समाज से आह्वान किया है। कि इस गर्मी में सब मिलकर बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए दाना और पानी रखकर मानवता का सच्चा परिचय दें।

इस दौरान समिति के अध्यक्ष दीपक कुमार, संरक्षक जे.डी. खान, विनीत, जी. माधव राव, राहुल खान, सत्येंद्र पांडे, देव कुमार, वेद कुमार और कार्तिक राम आदि उपस्थित थे।

डुण्डेरा के सुशासन में आए 470 आवेदन, 75 का मौके पर ही हुआ निराकरण आयुक्त मोनिका ने पूरी की गोदभराई की रस्म

श्रीकंचनपथ समाचार

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा आयोजित इस वर्ष के अंतिम सुशासन शिविर में तीन वार्डो के 470 लोगों ने अपनी शिकायत और मांगो को लेकर पहुंचे थे। आयुक्त मोनिका वर्मा ने शिविर में 75 ऐसे आवेदनों का निराकरण मौके पर ही कराकर आवेदकों को राहत पहुंचाई। शिविर में 435 मांगे थी। जिसका प्रस्ताव तैयार कर निराकरण करने का संबंधित विभाग को निर्देश दिए गए है।

शनिवार को सुशासन शिविर ग्रामीण परिवेश वाले डुण्डेरा के तीन वार्डो के लिए लगाया गया। शिविर स्थल पर महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में आयुक्त मोनिका वर्मा पहुंची और चार

हितग्राहियों को गोदभराई रस्म अदा की। इस अवसर पर आयुक्त मोनिका ने हितग्राहियों से न केवल चर्चा की, बल्कि सेहत का ध्यान रखते हुए योजना के तहत मिले पौष्टिक आहार का सेवन करने की बात कही। आयुक्त ने पूरे स्टॉल का निरीक्षण करते हुए हितग्राहियों से मुलाकात की। साथ ही उनकी आवश्यकता और मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का आश्वासन दी। शिविर में अतिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू क्षेत्रीय पार्षद व महापौर परिषद के सदस्य रोहित धनकर व पार्षद खिलेन्द्र चंद्राकर, जोरातराई के हरिश नायक व विधायक प्रतिनिधि गोंविद साहू विशेष रूप से उपस्थित थे।

शिविर का निरीक्षण करते समय आयुक्त की नजर पंजीयन काउंटर में खड़े दिव्यांग पर पड़ी। वह ट्रायसाईकिल में बैठा हुआ था। दिव्यांग का कहना था कि उसे निवास स्थान का पट्टा चाहिए। आयुक्त मोनिका वर्मा ने भीड़ को देखते हुए कर्मचारियों को निर्देश दिया कि दिव्यांग के पास जाकर उन्हें न केवल आवेदन उपलब्ध कराए बल्कि संबंधित विभाग प्रभारी उन तक पहुंच कर आवेदन प्राप्त करे। वहीं निगम आयुक्त और जनप्रतिनिधि ने योजना के तहत 6 युवाओं को लर्निंग लाइसेंस बनाकर सौंपा।

डुण्डेरा में आए आवेदन पर एक नजर

कुल आवेदन – 470
मांग – 435
शिकायत – 35
मौके पर निराकरण – 75
कुल शेष – 395

मानिकपुरी दंपति को काशी हिंदी विद्यापीठ ने दी विद्या वाचस्पति की उपाधि

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ के ख्यातिप्राप्त लोक कलाकार दंपति नवलदास मानिकपुरी-अनुसुइया मानिकपुरी को वाराणासी में काशी हिंदी विद्यापीठ ने विद्या वाचस्पति की उपाधि से अलंकृत किया है।

छत्तीसगढ़ कलाकार विकास संघ के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कबीर भजन लोक गीत गायक, गीतकार संगीतकार, आकाशवाणी-दूरदर्शन एवं फिल्म कलाकार नवल दास मानिकपुरी व उनकी पत्नी अनुसुइया मानिकपुरी ने बताया कि 25 मई को वाराणसी में काशी हिंदी विद्यापीठ के कुलाधिपति सुखमंगल सिंह मंगल, कुलपति डॉ. संभाजी राजाराम बाविस्कर और कुल सचिव इन्द्रजीत निर्भीक ने आयोजित समारोह में दोनों को विद्या वाचस्पति की उपाधि से सम्मानित किया।

विद्यापीठ की अकादमिक परिषद की अनुशंसा पर उन्हें कला-संस्कृति के क्षेत्र में सुदीर्घ योगदान के लिए यह उपाधि प्रदान की गई है। मानिकपुरी दंपति ने इस सम्मान के लिए काशी विद्यापीठ का आभार जताया है।

खास-खबर

हरियाली की ओर बढ़ते कदमः जनसहभागिता से बंजर भूमि बनी हरित संपदा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम द्वारा प्रदेश के वनों के वैज्ञानिक प्रबंधन, संवर्धन और राजस्व वृद्धि के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कवर्धा परियोजना मंडल ने पिछले पांच वर्षों में वृहद वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। परियोजना मंडल ने बंजर और कम घनत्व वाले वन क्षेत्रों को पुनर्जीवित कर उन्हें हरित संपदा में बदलने का सफल प्रयास किया है। यह कार्य हरित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कवर्धा परियोजना मंडल ने वर्ष 2021 से 2025 तक आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग करते हुए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया है। इससे वन क्षेत्र का विस्तार हुआ है और पर्यावरण संरक्षण को नई मजबूती मिली है। परियोजना मंडल द्वारा 1497 हेक्टेयर वन क्षेत्र में लगभग 25 लाख सागौन पौधों का रोपण किया गया है। इसके लिए रूटशूट तकनीक का उपयोग किया गया, जिससे पौधों की जड़ें तेजी से विकसित हुईं और उनकी वृद्धि बेहतर रही।

बच्चों के बायोमैट्रिक अपडेट की सुविधा 30 सितंबर 2026 तक निःशुल्क

मोहला। आधार केवल 12 अंकों की संख्या नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की विशिष्ट पहचान है। वर्तमान समय में आधार हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। बैंकिंग सेवाएं, पेंशन, राशन, छात्रवृत्ति, आयुष्मान योजना, गैस सब्सिडी, मोबाइल सिम सत्यापन सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं में आधार की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधार से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय समय-समय पर आधार अद्यतन कराना है। यदि किसी नागरिक ने पिछले 10 वर्षों के भीतर अपना आधार अपडेट नहीं कराया है, तो आधार निष्क्रिय होने की संभावना बढ़ जाती है, जिससे विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लेने में कठिनाई हो सकती है। 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार माता-पिता के बायोमेट्रिक के आधार पर बनाया जाता है। बच्चा जब 5 वर्ष की आयु पूर्ण कर लेता है, तब उसका बायोमेट्रिक अद्यतन कराना अनिवार्य होता है। इसी प्रकार 15 से 17 वर्ष की आयु के दौरान भी बायोमेट्रिक अपडेट आवश्यक है।

जल संचयन एवं भूजल संवर्धन की दिशा में अभिनव पहल

रायपुर। बलरामपुर जिले में जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से संचालित मोर गांव मोरे पानी अभियान के तहत विकसित 5 प्रतिशत मॉडल रिचार्ज स्ट्रक्चर टैंक एवं सोख्ता गड्ढा का मॉडल सुशासन तिहार में प्रदर्शित किया गया। मॉडल जनप्रतिनिधियों, किसानों एवं आम नागरिकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि तथा आदिम जाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने मॉडल का अवलोकन कर इसकी उपयोगिता की सराहना की तथा जल संरक्षण के ऐसे नवाचारों को व्यापक स्तर पर अपनाने की आवश्यकता बताई। प्रदर्शनी में 5 प्रतिशत मॉडल रिचार्ज स्ट्रक्चर टैंक के माध्यम से वर्षा जल संचयन एवं भूजल पुनर्भरण की प्रक्रिया को प्रदर्शित किया गया।

किसानों की समृद्धि और आत्मनिर्भरता सर्वोच्च प्राथमिकताः रामविचार नेताम

छत्तीसगढ़ नवा अंजोर विजन 2047ः धान की अपेक्षा फसल विविधीकरण और डिजिटल खेती पर दे रहें हैं जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। धान के कटोरे के रूप में विख्यात छत्तीसगढ़ अब परंपरागत धान की खेती से आगे बढ़कर फसल विविधीकरण, डिजिटल तकनीक और पर्यावरण अनुकूल स्थायी कृषि के एक नए युग में अग्रसर हो रहा है। राज्य सरकार द्वारा लागू किए गए ''नवा अंजोर विज़न 2047'' के तहत किसानों की आय दोगुनी करने और कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए चौतरफा रणनीति पर काम शुरू हो गया है।

केन्द्रीय कृषि विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित इस उच्च स्तरीय सम्मेलन में कृषि मंत्री राम विचार नेताम और कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने इस आशय की जानकारी दी। कृषि मंत्री नेताम ने सम्मेलन में राज्य की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ का कृषि ढांचा अब एक बड़े बदलाव की ओर है। हमारी सरकार ''नवा अंजोर विज़न 2047'' के जरिए राज्य के लगभग 40 लाख किसान परिवारों, जिनमें 82 प्रतिशत लघु एवं सीमांत जिसमें 31 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति के किसान शामिल हैं, के आर्थिक उत्थान के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि दलहन उत्पादन में वर्ष 2025-26 के दौरान दर्ज की गई 76 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि और तिलहन के रकबे में 28 हजार हेक्टेयर से अधिक की बढ़ोतरी यह दर्शाती है कि हमारा किसान अब आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। वहीं खरीफ 2026 में हम अरहर, उड़द और मूंग के लिए क्लस्टर आधारित रणनीति लागू कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य हर हाथ को काम और हर खेत को सही समय पर गुणवत्तायुक्त बीज और संतुलित खाद उपलब्ध कराना है।

राज्य में योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन और रणनीतिक तैयारियों पर प्रकाश डालते हुए छत्तीसगढ़ शासन के कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने कहा कि कृषि तकनीक, बुनियादी ढांचे और वैज्ञानिक प्रबंधन से खेती की तस्वीर बदल रही है। उन्होंने सम्मेलन में कहा कि खरीफ 2026 के लिए हमारी तैयारियां पूरी तरह वैज्ञानिक और तकनीक-आधारित हैं। राज्य के किसानों को कृषि विश्वविद्यालयों की वैज्ञानिक अनुशंसा के आधार पर ही उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है। सीमांत किसानों को जहां एकमुश्त उर्वरक दिया जा रहा है, वहीं यूरिया की कालाबाजारी और अत्यधिक खपत को रोकने के लिए लघु व बड़े किसानों को 20 से 25 दिनों के अंतराल पर 2 से 3 बार में यूरिया देने की व्यवस्था की गई है। हम डीएपी के विकल्प के रूप में नैनो डीएपी, एसएसपी और एनपीके कॉम्प्लेक्स को तेजी से बढ़ावा दे रहे हैं। इसके अलावा, एग्रीस्टैक, डिजिटल क्रॉप सर्वे और एकीकृत किसान पोर्टल के माध्यम से पूरी खरीद और सत्यापन प्रक्रिया को पारदर्शी बना दिया गया है।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री परदेशी ने कांफ्रेंस में बताया कि छत्तीसगढ़ वर्ष 2025-26 में दलहन उत्पादन में रिकॉर्ड 76 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इसके साथ ही तिलहन मिशन और राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन के तहत सरसों, मूंगफली और सोयाबीन के बीज वितरण से तिलहनी फसलों के क्षेत्र में 28 हजार हेक्टेयर से अधिक का विस्तार हुआ है। वहीं क्लस्टर विकास, बागवानी के क्षेत्र में फल, सब्जी और मसाला फसलों के लिए क्लस्टर आधारित विकास मॉडल पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

टिकाऊ और जलवायु अनुकूल खेती के तहत् 23,050 हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती का विस्तार किया जा चुका है, जिसमें 461 क्लस्टर्स और 922 कृषि सखियों की मदद ली जा रही है। सॉइल हेल्थ के तहत् वर्ष 2025-26 में 2.81 लाख सॉइल हेल्थ कार्ड वितरित किए गए। साथ ही, नई पीढ़ी को कृषि से जोड़ने के लिए राज्य के 126 पीएम श्री स्कूलों में मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाएं (सॉइल टेस्टिंग लैब्स) स्थापित की जा चुकी हैं। स्मार्ट इरिगेशन के तहत 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' के तहत सूक्ष्म सिंचाई और लागत कम करने के लिए ड्रोन तकनीक व 'इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम' (फसल . पशुपालन . मत्स्य . केंटकी) को बढ़ावा दिया जा रहा है। पीएम किसान और पीएम फसल बीमा योजना के डेटा को इंटीग्रेट करके जून से जुलाई 2026 तक विशेष केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) अभियान चलाया जाना प्रस्तावित है। वहीं पीएम आशा योजना के अंतर्गत दलहन और तिलहन फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर शत-प्रतिशत खरीदी सुनिश्चित करने की तैयारी है।

कृषि मंत्री नेताम ने सम्मेलन में कहा कि राज्य सरकार ने राष्ट्रीय मंच के माध्यम से केंद्र सरकार के समक्ष कृषि विकास की गति को और तेज करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण प्रस्ताव और अपेक्षाएं भी रखी हैं। इनमें छत्तीसगढ़ धान प्रधान राज्य होने के कारण, फसल विविधीकरण को गति देने के लिए केंद्र से एक पृथक प्रोत्साहन नीति की मांग की गई है। साथ ही प्राकृतिक उत्पादों का एमएसपी प्राकृतिक और जैविक खेती के उत्पादों के लिए अलग से न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने की व्यवस्था की जाए।

मंत्री नेताम ने सम्मेलन में सप्लाई प्लान और खाद सब्सिडी उर्वरकों की समय पर उपलब्धता के लिए माहवार सप्लाई प्लान के अनुसार खाद प्रदाय की मांग के साथ ही डीएपी की आपूर्ति प्रभावित होने की स्थिति में एनपीके की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नैनो यूरिया और नैनो डीएपी को छोटे किसानों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए विशेष अनुदान का प्रावधान किया जाए। वहीं उर्वरकों की अत्यधिक खपत और बर्बादी को नियंत्रित करने के लिए वैज्ञानिक अनुशंसा के अनुसार उर्वरकों की 25 किलोग्राम की छोटी बोरी तैयार की जानी अपेक्षित है।

पात्र श्रमिक परिवारों के बच्चों को मिलेगा निजी स्कूलों में दाखिला

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। श्रम विभाग के सचिव सह श्रमायुक्त हिमशिखर गुप्ता ने आज मंत्रालय (महानदी भवन) में श्रम विभाग के काम-काज की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं श्रम मंत्री लखन देवांगन के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए अनेक योजनायें संचालित की जा रही है।

इन सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिले इस दिशा में विभाागीय अधिकारी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान सचिव गुप्ता ने कहा कि अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत पात्र श्रमिक परिवारों के बच्चों को स्कूलों में दाखिला मिले। इस दिशा में विभागीय अधिकारी आवश्यक कार्यवाही करें।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की पहल पर प्रारंभ होने जा रहे नए शैक्षणिक सत्र से सीटों की संख्या बढ़ाकर 100 से 200 कर दी गई है। इस योजना से निर्माण श्रमिकों के बच्चों का प्रदेश के निजि स्कूलों में दाखिला दिया जाएगा। इसके तहत प्रदेश के श्रमिकों के बच्चों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक श्रेष्ठ आवासीय विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा प्राप्त होगी। इनका पूरा खर्च श्रम विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। श्रमायुक्त ने जिलों के श्रम पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस योजना में अपात्र व्यक्ति को लाभ मिलता है अथवा किसी प्रकार की शिकायत मिलने पर संबंधित जिलों के श्रम अधिकारी जवाबदेह होंगे और उनके विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में सचिव सह श्रमायुक्त श्री गुप्ता ने श्रमिकों के पंजीयन के लिए प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन, उनके हितों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। श्रमिकों के पंजीयन, नवीनीकरण और योजनाओ का क्रियान्वयन समय अवधि में पूर्ण करें। ठेकेदार को जितने श्रमिकों का लाइसेंस प्राप्त है, उतने ही श्रमिक कार्यरत है की नहीं यह सुनिश्चित करने कहा गया। उन्होंने कारखाने की नियमित जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में ऑनलाईन रेण्डम निरीक्षण, अभियोजन एवं निराकरण की कार्यवाही, छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना अधिनियम अंतर्गत पंजीयन की समीक्षा, मिनी माता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री नोनी-बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना, शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, असंगठित कर्मकार महतारी जतन योजना, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत शामिल योजनाओं की समीक्षा, इसके अलावा सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों पर जिलेवार की गई निराकरण की समीक्षा की गई।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में संगठित श्रमिकों एवं उनके परिवार के लिए कल्याणकारी योजनाओं के संचालन हेतु छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल, भवन एवं अन्य संनिर्माण में लगे निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवार के कल्याण के लिए छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल तथा असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत असंगठित कर्मकार एवं उनके परिवार के कल्याण हेतु छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल का गठन किया गया है। उक्त मण्डलों द्वारा श्रमिकों का पंजीयन किया जाकर उनके कल्याण हेतु योजनाओं का संचालन कर सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है।

खरीफ 2026 की तैयारी तेजः किसानों को समय पर मिल रहा खाद-बीज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खरीफ सीजन 2026 को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। प्रदेशभर की सहकारी समितियों में खाद-बीज का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया गया है तथा किसानों की मांग के अनुरूप लगातार वितरण किया जा रहा है। शासन-प्रशासन द्वारा खेती के कार्य प्रभावित न हों, इसके लिए आपूर्ति व्यवस्था पर सतत निगरानी रखी जा रही है।

बलरामपुर जिले में भी किसानों को खाद-बीज उपलब्ध कराने की दिशा में प्रशासन गंभीरता से कार्य कर रहा है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशानुसार सहकारी समितियों में खाद-बीज की सतत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है तथा अधिकारियों को वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखने कहा गया है। किसान प्रतिदिन समितियों में पहुंचकर अपनी आवश्यकता अनुसार खाद और बीज प्राप्त कर रहे हैं।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार बलरामपुर जिले में अब तक 9254 मीट्रिक टन खाद का भंडारण किया जा चुका है, जिसमें से 1311 मीट्रिक टन खाद किसानों को वितरित किया गया है। वहीं खरीफ 2026 के लिए 2000 क्विंटल बीज वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके विरुद्ध 1734 क्विंटल बीज का भंडारण कर सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य सरकार का उद्देश्य किसानों को समय पर कृषि सामग्री उपलब्ध कराकर खेती को सुगम बनाना तथा उत्पादन बढ़ाने में सहयोग प्रदान करना है। किसानों ने भी समितियों में खाद-बीज की उपलब्धता पर संतोष व्यक्त करते हुए शासन और प्रशासन की पहल की सराहना की है।

मंत्री अग्रवाल ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने जनदर्शन कार्यक्रम के तहत सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के ग्राम हरिहरपुर पहुंचकर ग्रामीणों से आत्मीय भेंट-मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं, आवश्यकताओं और विकास संबंधी मांगों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनदर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। लोगों ने सड़क, पेयजल, बिजली, राजस्व, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को मंत्री श्री अग्रवाल के समक्ष रखा। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि शासन की प्राथमिकता अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना और जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि जनता से सीधा संवाद और जनभावनाओं से जुड़ाव ही सुशासन का वास्तविक आधार है। क्षेत्रवासियों की अपेक्षाओं, विश्वास और विकास के संकल्प को पूरा करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का गंभीरता से परीक्षण कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

मंत्री अग्रवाल ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि सरकार गांव, गरीब, किसान और अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों के जीवन स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नारायणपुर में टसर रेशम ने बदली आदिवासियों की तकदीर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के घने जंगलों और शांत वादियों के बीच बसा नारायणपुर जिला आज रेशम उत्पादन के क्षेत्र में एक नई और सुनहरी पहचान गढ़ रहा है। यहाँ के रेशम विभाग द्वारा संचालित 'टसर रेशम विकास एवं विस्तार कार्यक्रम' स्थानीय आदिवासी परिवारों के जीवन में एक मूक लेकिन बेहद असरदार आर्थिक क्रांति का जरिया बन चुका है।

पारंपरिक खेती और मजदूरी पर निर्भर रहने वाले जो ग्रामीण कभी स्थानीय स्तर पर रोजगार न होने के कारण पलायन करने को मजबूर थे, वे आज अपने ही घर-आँगन में साल भर में तीन-तीन फसलें लेकर आत्मनिर्भरता की एक नई इबारत लिख रहे हैं।

रेशम विभाग ने इस पूरी व्यवस्था को बेहद सुलभ और पारदर्शी बनाया है। विभाग अपने पौधारोपित क्षेत्रों में महिला और पुरुष स्व-सहायता समूहों के माध्यम से टसर कृमिपालन का कार्य करा रहा है। ग्रामीणों पर शुरुआत में कोई आर्थिक बोझ न आए, इसके लिए विभाग मात्र 2 रुपये की मामूली अनुदान दर पर टसर कृमि के अंडे उपलब्ध कराता है। हितग्राही लगभग 45 से 50 दिनों तक पूरी लगन के साथ इन कृमियों का पालन करते हैं, जिसके बाद पेड़ों पर चमकीले कोसाफल (ककून) तैयार हो जाते हैं। ग्रामीणों को अपनी फसल बेचने के लिए बाजारों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। विभाग ने खुद 'ककून बैंक' की स्थापना की है, जहाँ शासन द्वारा निर्धारित तय दरों पर कोसाफल की सुरक्षित खरीदी की जाती है।

इस योजना की सफलता का सबसे जीवंत और खूबसूरत नजारा नारायणपुर के ग्राम डूमरतराई के टसर केंद्र में देखने को मिला। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान यहाँ के 15 स्थानीय ग्रामीणों (जिसमें महिला सशक्तिकरण की मिसाल पेश करते हुए 10 महिलाएँ और 5 पुरुष शामिल हैं) ने मिलकर कृमिपालन का जिम्मा उठाया। इस समूह ने अपनी सामूहिक मेहनत से कुल 2 लाख 11 हजार 167 नग कोसाफल का बंपर उत्पादन किया।

इस फसल को ककून बैंक में बेचने पर पूरे समूह को कुल 9 लाख 34 हजार 927 रुपये की भारी-भरकम आमदनी हुई।

शासन की पारदर्शिता के चलते पूरी राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में जमा की गई, जिससे बिचौलियों का डर और भुगतान में देरी का झंझट पूरी तरह खत्म हो गया। टसर रेशम योजना की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह ग्रामीणों को सिर्फ 50 दिनों के कृमिपालन तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उन्हें साल भर का मुकम्मल आसरा देती है।

कृमिपालन का सीजन खत्म होने के बाद भी विभागीय जंगलों में निराई, गुड़ाई और पौधों के रख-रखाव जैसे कार्यों के जरिए इन ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर लगातार रोजगार मिलता रहता है।

आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्धः उप मुख्यमंत्री

'पानाबरस में आदिम आस्था स्थलों के संरक्षण एवं जनजातीय संस्कृति सुरक्षा अभियान की महासभा आयोजित'

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले के वनांचल क्षेत्र पानाबरस में आदिम आस्था स्थलों के संरक्षण, संवर्धन एवं जनजातीय संस्कृति सुरक्षा अभियान के अंतर्गत महासभा का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा तथा राजनांदगांव लोकसभा सांसद श्री संतोष पांडे शामिल हुए। कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के मांझी, गायता, ग्राम पटेल, ग्राम प्रमुख एवं समाज प्रमुख शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाज एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत करते हुए आदिवासी संस्कृति की झलक प्रस्तुत की गई। सभा में जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराओं, संस्कृति एवं पूर्वजों की आस्था से जुड़े स्थलों के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। महासभा में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आदिवासी समाज के मांझी, गायता एवं ग्राम प्रमुखों के साथ सीधा संवाद करते हुए उनकी परंपराओं, सामाजिक व्यवस्था एवं धार्मिक आस्था से जुड़ी जानकारियां प्राप्त की। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपराएं और देवस्थल हमारी अमूल्य धरोहर हैं, जिनका संरक्षण करना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जंगलों और पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित देवगुड़ियों, आस्था स्थलों एवं पूर्वजों की स्मृतियों से जुड़े स्थलों का चिन्हांकन कर वहां आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इन स्थलों तक पहुंच मार्ग, पेयजल, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगी, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी रहें। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासी समाज की संस्कृति और परंपराओं को सुरक्षित रखने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने समाज प्रमुखों से अपील करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति, बोली, रीति-रिवाज और परंपराओं से जोड़कर रखने में सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। राजनांदगांव लोकसभा सांसद श्री संतोष पांडे ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक आस्था स्थलों का संरक्षण समाज की अस्मिता से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार जनजातीय समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए अनेक योजनाओं के माध्यम से कार्य कर रही है। कार्यक्रम में समाज प्रमुखों द्वारा आदिवासी संस्कृति एवं आस्था स्थलों के संरक्षण के लिए शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भोजेश शाह मांडवी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं आदिवासी समाज के विभिन्न समाज प्रमुख एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

'कला पर बातचीत करना सही है मजाक उड़ाना नहीं'

अनन्या पांडे की ऑनस्क्रीन मां ने ट्रोलिंग पर रखी राय....

'चांद मेरा दिल' में भरतनाट्यम करने पर अनन्या पांडे की काफी ट्रोलिंग हुई है। ऐसे में अनन्या पांडे की ऑनस्क्रीन मां ने इस पर अपनी राय रखी है। आइए जानते हैं उनका क्या कहना है?

अनन्या पांडे की नई फिल्म 'चांद मेरा दिल' को समीक्षकों से अच्छे रिव्यू मिले हैं। अनन्या पांडे को फिल्म में अपने भरतनाट्यम फ्यूजन डांस के लिए सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जा रहा है। फिल्म में अनन्या की मां का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री चारू शंकर ने उस ट्रोलिंग के बारे में बात की है।

अनन्या की ट्रोलिंग पर चारू शंकर ने रखी राय

एचटी से बातचीत में चारू शंकर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हर किसी को अपनी राय रखने का हक है, लेकिन ट्रोलिंग कभी भी अच्छे तरीके से नहीं की जाती। कला पर बातचीत करना सही है, मजाक उड़ाना नहीं। जिस सीन पर चर्चा हो रही है, उसे चांदनी के किरदार के लिए एक जोरदार परिचय के तौर पर सोचा गया था। फिल्म की कहानी में, यह पल एक ऐसी युवा महिला के आने का ऐलान करता है जो नियम तोड़ने से नहीं डरती।'

पिता ने किया अनन्या पांडे का बचाव

अनन्या ने अभी तक इस ट्रोलिंग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अनन्या के पिता और अभिनेता चंकी पांडे ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। इकोनॉमिक टाइम्स से बात करते हुए उन्होंने अपनी बेटी का बचाव किया और कहा कि लोगों ने इस सीन को पूरी तरह से गलत समझा है।

उन्होंने बताया कि इस डांस सीन का मतलब कभी भी सिर्फ भरतनाट्यम होना नहीं था। उन्होंने कहा, 'यह एक फ्यूजन परफॉर्मेंस थी, जिस तरह का एक्सपेरिमेंटल डांस आप अक्सर कॉलेज के छात्रों को सोशल या कल्चरल इवेंट्स में करते हुए देखते हैं।'

'चांद मेरा दिल' बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

'चांद मेरा दिल' बॉक्स ऑफिस पर औसत बिजनेस कर रही है। खबर लिखे जाने तक इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 19.93 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'चांद मेरा दिल' लगभग 30 करोड़ रुपये के बजट में बनी है। इस हफ्ते कोई बड़ी बॉलीवुड फिल्म रिलीज नहीं हो रही है, इसलिए चांद मेरा दिल' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर सकती है।

पर्सनैलिटी राइट्स को लेकर वरुण धवन पहुंचे अदालत, कोर्ट ने मामले में कही ये बात

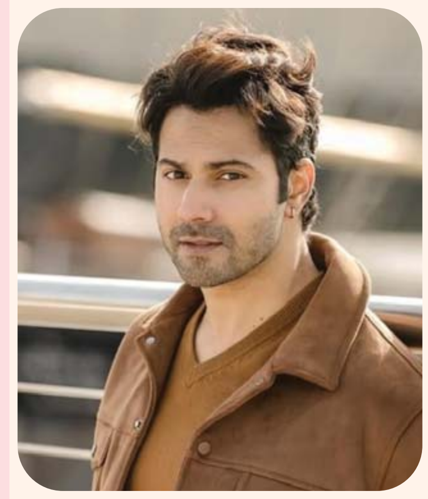

सलमान खान, ऐश्वर्या राय और कार्तिक आर्यन के बाद अब वरुण धवन ने भी पर्सनैलिटी राइट्स (व्यक्तित्व अधिकारों) की रक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। डिजिटल वर्ल्ड में अपनी पहचान के बिना स्वीकृति उपयोग के खिलाफ अब वरुण ने कानूनी कार्रवाई की है।

कोर्ट ने अंतरिम सुरक्षा देने की कही बात

अदालत ने संकेत दिया कि विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों पर वरुण धवन के नाम, छवि, आवाज और अन्य व्यक्तिगत विशेषताओं के कथित दुरुपयोग से संबंधित चिंताओं को सुनने के बाद वह अभिनेता को अंतरिम सुरक्षा प्रदान करने के लिए इच्छुक है। वरुण ने बिना अनुमति के उनकी पहचान का दुरुपयोग करने के आरोपियों जिनकी पहचान है और नहीं भी दोनों के खिलाफ राहत की मांग की है। ऐसा करते ही वरुण धवन भी उन सेलेब्स की श्रेणी में शामिल हो गए हैं, जो इससे पहले पर्सनैलिटी राइट्स को लेकर अदालत से सुरक्षा मांग चुके हैं। इनमें सलमान खान, ऐश्वर्या राय बच्चन, काजोल, अभिषेक बच्चन, विवेक ओबेरॉय और अल्लू अर्जुन सहित कई हस्तियों के नाम शामिल हैं। लगातार बढ़ते एआई के उपयोग और डीपफेक के बढ़ते मामलों के चलते सेलेब्स लगातार ऐसे कदम उठा रहे हैं।

'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आएंगे वरुण धवन

वर्कफ्रंट की बात करें तो वरुण धवन अपनी आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' रिलीज की तैयारी में हैं। यह एक कॉमेडी-ड्रामा है, जिसमें डबल ट्रबल देखने को मिलेगी। फिल्म में वरुण के साथ पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी।

इसके अलावा फिल्म में जिम्मी शेरगरिल, मौनी रॉय, मनीष पॉल, चंकी पांडे और राकेश बेदी भी अहम किरदारों में दिखाई देंगे। डेविड धवन द्वारा निर्देशित यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कोई भी दूसरा राम नहीं देखना चाहता

'रामायण' में रणबीर की आलोचना पर बोले अरुण गोविल

अभिनेता अरुण गोविल ने 'रामायण' में राम का किरदार निभा रहे अभिनेता रणबीर कपूर की तारीफ की है। उन्होंने अपने अभिनय पर भी राय जाहिर की है। अपकमिंग फिल्म 'रामायण' इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। इसके निर्देशक नितेश तिवारी हैं। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम का मुख्य किरदार निभा रहे हैं। साई पल्लवी सीता का किरदार निभा रही हैं, जबकि यश रावण के किरदार में नजर आएंगे।

इस प्रोजेक्ट में एक खास बात यह है कि इसमें दिग्गज एक्टर अरुण गोविल को भी कास्ट किया गया है। अरुण गोविल टीवी सीरीज 'रामायण' में भगवान राम के किरदार के लिए मशहूर हैं। इस फिल्म में, गोविल भगवान राम के पिता, राजा दशरथ का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। इस बीच उन्होंने रणबीर कपूर की तारीफ की है।

अरुण गोविल ने की रणबीर कपूर की तारीफ

वैरायटी इंडिया से बातचीत में अरुण गोविल ने रणबीर के बारे में यह साफ किया कि उन्हें इस एक्टर की काबिलियत पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, 'राम के तौर पर, मैं उनके बारे में अभी कुछ नहीं बता पाऊंगा, लेकिन वह एक अच्छे एक्टर हैं। इसमें कोई शक नहीं है। वह एक बहुत अच्छे इंसान भी हैं। जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, हर एक्टर हर किरदार को अपने ही अंदाज में निभाता है। उन्होंने भी भगवान राम का किरदार अपने ही अनोखे अंदाज में निभाया होगा।'

अपने अभिनय पर बोले अरुण गोविल

जब फिल्म 'रामायण' का पहला लुक रिलीज हुआ था, तब कई लोगों ने रणबीर कपूर के लुक की आलोचना की थी। इस बारे में अरुण गोविल से पूछा गया। इस पर उन्होंने बताया 'शायद इसकी एक वजह यह भी है कि भगवान राम के रूप में मेरा अभिनय ही एक पैमाना बन गया था। यह आज भी लोगों के दिलों और दिमागों में जिंदा है। कोई भी किसी और को राम के रूप में देखना नहीं चाहता। आप जानते ही हैं, मेरी 'रामायण' कहीं न कहीं, किसी न किसी समय चलती ही रहती है। इसलिए, मेरे लिए, किसी दूसरे अभिनेता के भगवान राम के रूप में किए गए अभिनय पर टिप्पणी करना सही नहीं लगता।'

कब रिलीज होगी फिल्म?

हाल ही में रणबीर कपूर ने बताया कि फिल्म में उनकी भूमिका सिर्फ भगवान राम का किरदार निभाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वह भगवान परशुराम के रूप में भी नजर आएंगे। 'रामायण' 2026 की दिवाली पर रिलीज होने वाली है। इसका दूसरा हिस्सा अगले साल दिवाली पर रिलीज होगा।

कैसे बढ़ी उर्फी जावेद की कमाई?

40 हजार से बढ़कर हुई दो लाख, कहा- टीवी में नहीं होता अच्छा बर्ताव

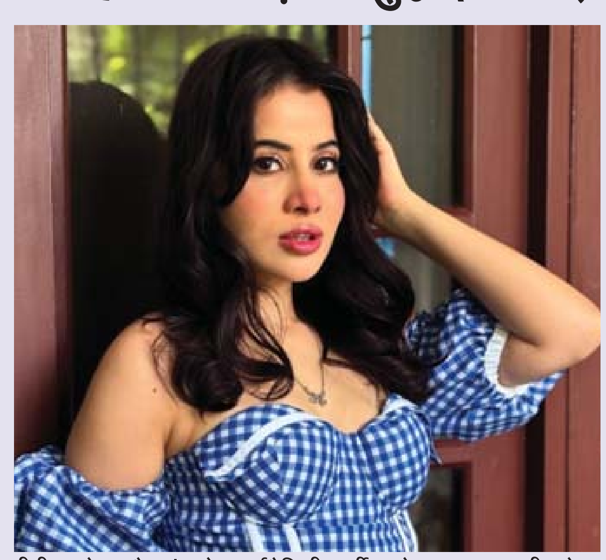

टीवी एक्ट्रेस और इंटरनेट पर्सनैलिटी उर्फी जावेद अक्सर अजीब ड्रेस पहनने को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपने मुश्किल सफर के बारे में बात की है। उन्होंने यह भी बताया कि सोशल मीडिया से उनकी जिंदगी बदलने से पहले, उनके टेलीविजन के दिन कितने मुश्किल थे।

सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान, उर्फी ने बताया मुश्किलों का सामना करने के बावजूद, उन्होंने हमेशा एक स्टार बनने और मुंबई में एक आरामदायक जिंदगी जीने का सपना देखा था। उन्होंने बताया कि वह अपने जालिम पिता से बचने के लिए घर से भाग गई थीं।

काम मिलना नहीं था आसान

उर्फी ने बताया कि शुरुआत में उन्होंने बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स के लिए ऑडिशन देने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास हो गया कि इंडस्ट्री में बिना किसी जान-पहचान के मौके मिलना बहुत मुश्किल है। इसके बाद उन्होंने यह सोचकर टेलीविजन का रुख किया, कि वहां काम मिलना शायद आसान होगा। हालांकि ऐसा नहीं था। टीवी में उन्हें अक्सर साइड रोल ही मिले।

टेलीविजन इंडस्ट्री में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए उर्फी ने कहा, 'अगर आप कोई स्टार नहीं हैं या लीड रोल में नहीं हैं, तो कोई भी आपको कुछ नहीं समझता। अगर आप कोई साइड कैरेक्टर हैं, तो आपके साथ अच्छा बर्ताव नहीं किया जाता।' टेलीविजन से होने वाली कमाई पर गुजारा करने के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया, 'मैं हमेशा से ही लाइमलाइट में रहना चाहती थी। लेकिन मुझे लगता था कि घर भी तो चलाना है, इसलिए महीने के जो 40,000 रुपये मिल रहे हैं, वही बहुत हैं। मगर मैं इससे संतुष्ट नहीं थी।' इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया के साथ नए प्रयोग किए। 'बिग बॉस ओटीटी' में उनकी एंट्री उनके करियर का एक अहम मोड़ साबित हुई। कूड़े-कचरे से बनी उनकी एक ड्रेस ने ऑनलाइन सबका ध्यान खींचा और उन्हें रातों-रात चर्चा में ला दिया।

उर्फी ने माना कि उन्होंने कभी भी अपनी सोशल मीडिया इमेज या वायरल होने की शोहरत के लिए कोई खास प्लानिंग नहीं की थी। उनके मुताबिक, सब कुछ अपने आप होता गया। उन्होंने यह भी बताया कि जब वह टीवी इंडस्ट्री में थीं, तब वह महीने के करीब 40,000 रुपये कमाती थीं, लेकिन सोशल मीडिया पर पॉपुलर होने के बाद ब्रांड कोलैबोरेशन के जरिए उनकी इनकम बढ़कर करीब 2 लाख रुपये प्रति महीना हो गई।

उर्फी जावेद का वर्कफ्रंट

उर्फी ने 2016 में 'बड़े भैया की दुल्हनिया' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। बाद में वह 'चंद्र नंदिनी', 'मेरी दुर्गा', 'बेपनाह', 'जीजी मां' और 'डायन' जैसे शोज में नजर आईं। हाल ही में, उर्फी को निया शर्मा, करण कुंद्रा और सनी लियोनी के साथ 'स्प्लिट्सविला एक्स6' होस्ट करते हुए देखा गया था।

नेहा धूपिया ने स्वर्ण मंदिर में टेका माथा अमृतसरी छोले-भटूरे का लिया स्वाद

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी सिलसिले में वह पंजाब के अमृतसर पहुंचीं, जहां उन्होंने स्वर्ण मंदिर में माथा टेका। उन्होंने इस यात्रा की कई तस्वीरें और वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए हैं, जिन्हें उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। नेहा धूपिया ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली तस्वीर स्वर्ण मंदिर की थी। इस तस्वीर में नेहा पवित्र सरोवर के पास खड़ी नजर आ रही है। उन्होंने सिर पर पेस्टल कलर का दुपट्टा ओढ़ रखा है और हाथ जोड़कर श्रद्धा के साथ प्रार्थना करती दिखाई दे रही है। वहीं अन्य तस्वीरों में वह अमृतसर के मशहूर खाने का भी आनंद लेती दिख रही है। एक वीडियो में वह लोकल शॉप पर छोले-भटूरे खाते हुई नजर आ रही है। वीडियो में उनके चेहरे की खुशी साफ बता रही है कि उन्हें पंजाब का यह स्वाद बेहद पसंद आया है। एक दूसरी तस्वीर में वह मजाकिया अंदाज में पोज देती दिख रही है।

इस पोस्ट के साथ नेहा धूपिया ने कैप्शन में लिखा, इस यात्रा की हर बात खास रही। कैप्शन में उन्होंने रेड हार्ट, हाथ जोडने और एंजल इमोजी का भी इस्तेमाल किया। अगर नेहा धूपिया के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2002 में मिस इंडिया का खिताब जीतकर ग्लैमर की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने फिल्म कयामत: सिटी अंडर थ्रेट से बॉलीवुड में शुरुआत की। आगे चलकर जूली, क्या कूल हैं हम, शूटआउट एट लोखंडवाला, सिंह इज किंग, चुप चुप के और तुम्हारी सुलु जैसी फिल्मों में काम करके अपनी अलग पहचान बनाई।

फिल्मों के अलावा, नेहा टीवी की दुनिया में भी काफी सक्रिय रही हैं। वह कई रियलिटी शो में जज और होस्ट के रूप में नजर आ चुकी हैं। उनका चर्चित चैट शो नो फिल्टर नेहा भी काफी लोकप्रिय रहा। हाल ही में उन्होंने अपने पति अंगद बेदी के साथ मिलकर कपल-बेस्ड पॉडकास्ट फॉर्मेट लॉन्च किया, जिसमें वे चर्चित सेलिब्रिटी कपल्स से बातचीत करते हैं।

सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर मलाइका अरोड़ा ने दिया करारा जवाब

कहा- 'दूसरों को खुश करने की जरूरत नहीं'

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपने करियर की शुरुआत से ही लोगों की नजरों में रही हैं। उनके काम के अलावा उनकी पर्सनल लाइफ, खासकर उनके रिश्तों को लेकर भी अक्सर चर्चा होती रहती है।

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग्स को कमेंट्स को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अब उन्होंने अपनी इनर हैप्पीनेस यानी अंदर की खुशी को संभालना सीख लिया है। जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा।

इंटरनेट पर बहुत शोर होता है

इंटरव्यू में मलाइका ने कहा, 'मैं अपनी खुशी को इस तरह बचाती हूं कि मुझे याद रहता है कि इंटरनेट पर बहुत शोर होता है, लेकिन हर बात समझदारी भरी नहीं होती। अगर आप अपनी शांति को लोगों की राय के भरोसे छोड़ देंगे, तो आप कभी अंदर से खुश नहीं रह पाएंगे।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने अपनी सीमाएं बनानी सीख ली हैं। अब मैं अपने बारे में हर बात नहीं पढ़ती और न ही हर किसी की राय को दिल पर लेती हूं। मैं असली जिंदगी, अपने काम, अपने करीबियों और अपनी रोजमर्रा की आदतों पर ध्यान देती हूं। यही चीजें मुझे जमीन से जोड़े रखती हैं।'

मैं हर बात पर रिएक्ट नहीं करती

मलाइका का मानना है कि उम्र के साथ सोच भी बदलती है। उन्होंने आगे कहा 'अब मैं हर बात पर रिएक्ट नहीं करती। मुझे समझ आ गया है कि जो लोग आलोचना करते हैं, वह उनके बारे में ज्यादा बताता है, न कि मेरे बारे में। मेरी खुशी अब इस बात में है कि मैं खुद को जानती हूं और उसी में खुश हूं।'

दूसरों को खुश करने की जरूरत नहीं

उन्होंने यह भी माना कि पहले वह भी बाकी लोगों की तरह सोचती थीं कि कहीं वह ज्यादा बोल्ड, ज्यादा ओपन या ज्यादा अलग तो नहीं हैं। लेकिन अब उन्हें एहसास हो गया है कि यही उनकी ताकत है।

मलाइका ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'आज मैं जैसी हूं, उसे बिना किसी माफी के अपनाती हूं। अब मुझे खुद को बदलकर दूसरों को खुश करने की जरूरत नहीं लगती। अपनी जिंदगी के इस पड़ाव पर मुझे अपने आप में ही सुकून मिलता है।'

खास खबर

स्वच्छता से समृद्धि की राह-अब घर-घर होगा कचरे का पृथक्करण

एमसीबी। स्वच्छता केवल सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज, सुरक्षित पर्यावरण और बेहतर भविष्य की आधारशिला है। इसी सोच को धरातल पर उतारने के लिए जिले में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कलेक्टर संतान देवी जांगड़े की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यशाला में अधिकारियों, कर्मचारियों और पंचायत प्रतिनिधियों को कचरा प्रबंधन के नए नियमों और जिम्मेदारियों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के जिला सलाहकार राजेश जैन ने नियम-2026 के प्रमुख प्रावधानों, कार्ययोजना और क्रियान्वयन प्रक्रिया पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि अब स्रोत स्तर पर ही गीला, सूखा, सैनिटरी और जोखिमपूर्ण कचरे का पृथक्करण अनिवार्य होगा तथा कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जाएगा। कलेक्टर संतान देवी जांगड़े ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है।

युवाओं के हुनर को मिले नए पंख, 225 से अधिक खिलाडियों को मिला पेशेवर प्रशिक्षण

सुकमा। जिला प्रशासन की दूरगामी सोच और प्रतिबद्धता के चलते सुकमा जिले के खेल प्रेमियों और युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का एक शानदार मंच मिला है। कलेक्टर अमित कुमार और जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित 22 दिवसीय जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का शनिवार को गरिमामय समापन हुआ। प्रशासन की इस अनूठी पहल ने सुकमा जैसे सुदूर अंचल के बच्चों में न केवल खेलों के प्रति उत्साह जगाया, बल्कि उन्हें अपनी खेल प्रतिभा को निखारने का एक बेहतरीन और सुरक्षित अवसर भी प्रदान किया। इस अवसर पर प्रशिक्षकों को प्रोत्साहन स्मृति चिन्ह और खिलाडियों को प्रमाण पत्र और मैडल का वितरण किया गया। प्रशासन की संवेदनशीलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि शिविर में शामिल सभी 225 से अधिक युवा खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय और पेशेवर प्रशिक्षण पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराया गया।

आंगनबाड़ी के बच्चों के चेहरों पर तितली संस्था ने बिखेरी मुस्कान

जगदलपुर। आंगनबाड़ी केंद्र में शुक्रवार का दिन आम दिनों से बेहद अलग, रचनात्मक और ऊर्जा से भरपूर रहा। आंगनबाड़ी केंद्रों के छोटे-छोटे बच्चों के साथ मिलकर स्वयंसेवी संगठन तितली संस्था की टीम ने कुछ ऐसी अनूठी और व्यावहारिक गतिविधियाँ कीं, जिसने न केवल बच्चों के चेहरों पर बड़ी सी मुस्कान बिखेर दी, बल्कि उनके मानसिक विकास और पर्यावरण सुरक्षा की एक मजबूत नींव भी रख दी। संस्था द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खेल-खेल में शिक्षा और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देना था, ताकि बच्चे किताबी ज्ञान के बोझ से दूर रहकर कुछ नया और स्थायी सीख सकें। इसी सोच के साथ कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों को कागज से कलाकारी की सुंदर विद्या सिखाई गई। इस गतिविधि ने जहाँ एक ओर बच्चों की मोटर स्किल्स और उनकी रचनात्मकता को नए पंख दिए, वहीं अपने खुद के हाथों से खिलौने बनते देख बच्चों का उत्साह और खुशी भी सातवें आसमान पर नजर आई।

डीपीडीपी अधिनियम के तहत 'प्राइवेसी बाय डिजाइन' अपनाएगा छत्तीसगढ़

राज्य स्तरीय डिजिटल इंडिया परामर्श कार्यशाला संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा, डिजिटल सेवाओं में विश्वसनीयता और डेटा गवर्नेंस को सुदृढ़ करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। छत्तीसगढ़ इंफोटेक प्रमोशन सोसायटी एवं भारत सरकार के नेशनल ई-गवर्नेंस डिवीजन के संयुक्त तत्वावधान में राजधानी रायपुर में एक दिवसीय राज्य स्तरीय डिजिटल इंडिया परामर्श कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न शासकीय विभागों को 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम, 2023' के प्रभावी क्रियान्वयन और तकनीकी अनुपालन को लेकर कड़े व स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मयंक अग्रवाल ने राज्य सरकार के संकल्प को दोहराया। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा की गोपनीयता और सुरक्षित डिजिटल सेवाओं का विस्तार करना शासन की मुख्य प्राथमिकता है।

डीपीडीपी अधिनियम केवल एक विधिक या कानूनी प्रावधान नहीं है, बल्कि यह शासन व्यवस्था में डिजाइन में ही गोपनीयता एवं नागरिक-केंद्रित डेटा गवर्नेंस की दिशा में एक क्रांतिकारी और महत्वपूर्ण परिवर्तन है।

मयंक अग्रवाल ने राज्य की तकनीकी प्रगति साझा करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 'सेवा सेतु' प्लेटफॉर्म का डिजिलॉकर, उमंग और माय स्कीम जैसे राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के साथ सफलतापूर्वक एकीकरण किया जा चुका है। इसके जरिए नागरिकों को विभिन्न प्रमाण-पत्र और सरकारी सेवाएँ डिजिटल रूप से आसानी से मिल रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि आगामी चरण में सभी विभागों को डिजिटल बाय डिफाल्ट दृष्टिकोण अपनाना होगा, ताकि अधिक से अधिक सेवाओं को राष्ट्रीय डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना से जोड़ा जा सके।

पारदर्शिता, जवाबदेही और साइबर सुरक्षा को मिलेगा बल: सुनील जैन

नेशनल ई-गवर्नेंस डिवीजन, नई दिल्ली के संचालक सुनील जैन ने कार्यशाला में विभागीय दायित्वों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि डीपीडीपी अधिनियम, 2023 सभी सरकारी संस्थाओं के लिए डेटा प्रबंधन की नई और सख्त जवाबदेहियों को परिभाषित करता है। इस अधिनियम के कड़ाई से अनुपालन से न केवल विभागीय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही आएगी, बल्कि राज्य की साइबर सुरक्षा प्रणाली को भी अभूतपूर्व बल मिलेगा।

कार्यशाला के समापन पर चिप्स के संयुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुपम आशीष टोप्पो ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने घोषणा की कि इस कार्यशाला से प्राप्त महत्वपूर्ण सुझावों के आधार पर सभी विभागों के लिए 30, 60 और 90 दिनों की एक चरणबद्ध विभागीय कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इस योजना के माध्यम से राज्य में डीपीडीपी अधिनियम का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा और सुरक्षित डिजिटल सेवाओं के विस्तार को गति दी जाएगी। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में चिप्स सहित राज्य शासन के विभिन्न विभागों के 180 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। कार्यक्रम में डेटा संरक्षण, डिजिटल गवर्नेंस और राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के एकीकरण से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर गहन मंथन किया गया।

साइबर खतरों से निपटने के लिए डेटा न्यूनतमकरण जरूरी

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र , रायपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक पी. रामाराव ने डिजिटल युग में डेटा की सुरक्षा को लेकर विभागों को सचेत किया। उन्होंने बताया कि मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और अन्य व्यक्तिगत पहचान संबंधी जानकारियां आजकल साइबर अपराधियों के मुख्य निशाने पर होती हैं। अंतराल पर सुरक्षा समीक्षा अपनाने की महती सलाह दी।

राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने दी तकनीकी प्रस्तुतियाँ

कार्यशाला के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। एनईजीडी के नितीश कालरा ने अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों, डेटा फिड्यूशियरी की भूमिका, सहमति प्रबंधन और नागरिक शिकायत निवारण तंत्र पर प्रस्तुति दी। चिप्स के आशीष जायसवाल और एनईजीडी के विशाल विरमानी ने डिजिलॉकर के साथ विभागों के एकीकरण, सुरक्षित दस्तावेज़ साझाकरण और डिजिटल प्रमाण-पत्रों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

जनसमस्या निवारण शिविर में लोगों के खिले चेहरे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में संचालित सुशासन तिहार ग्रामीणों के लिए भरोसे, समाधान और विकास का सशक्त माध्यम बन रहा है। इसी कड़ी में गौरेला-पेण्ड्रा- मरवाही जिले के बैगा बहुल दूरस्थ वनांचल क्षेत्र आमाडोब में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। घने जंगल और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इस क्षेत्र में प्रशासन की सक्रिय उपस्थिति ने ग्रामीणों के चेहरे पर विश्वास और संतोष की मुस्कान ला दी। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और अपनी समस्याएं, मांगें एवं आवश्यकताएं प्रशासन के समक्ष रखीं।

शिविर के दौरान विभिन्न योजनाओं के तहत बड़ी संख्या में हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण को प्राथमिकता देते हुए गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया। इससे ग्रामीणों में उत्साह और अपनत्व का माहौल दिखा।

शिविर के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई गई और पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ दिया गया। ग्रामीणों ने कहा कि पहली बार शासन और प्रशासन इतनी संवेदनशीलता के साथ गांव तक पहुंचकर उनकी समस्याएं सुन रहा है और त्वरित समाधान कर रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक प्रणव कुमार मरपची ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ निरंतर विकास और सुशासन की दिशा में आगे बढ़ रहा है और देश के सामने एक मॉडल प्रदेश के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता अंतिम छोर पर बसे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की सुविधाओं से वंचित न रहे। सुशासन तिहार केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास मजबूत करने का अभियान है।

कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने शिविर में प्राप्त आवेदनों की विभागवार समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जिला पंचायत सदस्य श्री भंवर सिंह गोवस द्वारा क्षेत्र में मोबाइल टॉवर स्थापना की मांग पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। तरईगांव के सरपंच द्वारा सीमांकन कराने तथा निस्तारी मार्ग से बेजा कब्जा हटाने की मांग पर एसडीएम को शीघ्र कार्रवाई करने को कहा गया। विभागीय अधिकारियों ने प्राप्त आवेदनों की स्थिति एवं निराकरण की जानकारी आवेदकों को मौके पर ही दी। इस शिविर में 20 ग्राम पंचायतों— खोडरी, बढावनडांड, ठेंगाडांड, गौरखेडा, पीपरखुंटी, केंवची, आमाडोब, देवरगांव, पडवनिया, ठाडपथरा, तरईगांव, पकरिया, भदोरा, ललाती, धनगवा, पतरकोनी, जोगीसार, सधवानी, बनझोरका एवं नेवरीनवापारा के ग्रामीणों ने लाभ उठाया। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली।

सुशासन तिहार 2026: जरूरतमंद परिवार को मिला नया आशियाना

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन तिहार केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनकल्याण, संवेदनशील शासन और त्वरित समस्या समाधान का सशक्त माध्यम बन रहा है। यह पहल आमजन की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने और उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। सुशासन तिहार के माध्यम से लोगों की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान हो रहा है, जिससे नागरिकों में शासन के प्रति विश्वास और अपनत्व की भावना और अधिक मजबूत हुई है।

इसी कड़ी में कोरबा शहर के तुलसी नगर निवासी रामप्रवेश गुप्ता, पिता मिश्री लाल गुप्ता, जो एक होटल में मिठाई मिस्त्री के रूप में कार्य करते हैं, को भी सुशासन तिहार के माध्यम से बड़ी राहत मिली। तीन बच्चों के साथ उनका परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में निवास कर रहा था, जहां बारिश के दिनों में पानी रिसने, सीमित जगह और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता था।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर, पानी टंकी टीपी नगर में उन्हें उनके नए आवास की चाबी सौंपी गई।

सुशासन तिहार: अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने सरकार संकल्पित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की मंशानुरूप अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने और जनता की समस्याओं को उनके घर के पास ही सुलझाने का महाअभियान सुशासन तिहार 2026 लगातार सफलता के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। इसी कड़ी में धमतरी जिले के विकासखंड नगरी के ग्राम पंचायत घठुला में आयोजित क्लस्टर स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, जहां प्रशासनिक मुस्तैदी के चलते एक ही छत के नीचे 509 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर ग्रामीणों को बड़ी राहत दी गई।

इस शिविर में घठुला, लटियारा, पाईकभाठा, रतावा, पोड़ागांव, लखनपुरी, फरसगांव, पांवद्वार, गिधावा, बोरई, घुटकेल, मैनपुर, बिरनासिली एवं लिखमा सहित कुल 14 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा। शिविर में न केवल लोगों की शिकायतें सुनी गईं, बल्कि विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की लाइव जानकारियां भी साझा की गईं, जिससे लोगों को जागरूक होने का अवसर मिला।

शिविर के दौरान कुल 528 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 523 आवेदन विभिन्न मांगों से संबंधित और 05 आवेदन जनता की शिकायतों से जुड़े थे। शासन और प्रशासन की संवेदनशीलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्राप्त आवेदनों में से 509 का मौके पर ही निपटारा कर हितग्राहियों को तत्काल राहत प्रदान की गई, जबकि शेष बचे आवेदनों के लिए उपस्थित आला अधिकारियों ने संबंधित विभागों को समय-सीमा के भीतर त्वरित कार्रवाई करने के कड़े निर्देश जारी किए।

शिविर स्थल पर ही हितग्राहियों को योजनाओं की सौगात दी गई, जिसके तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 04 हितग्राहियों को सुपोषण किट, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 03 ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड, समाज कल्याण विभाग द्वारा 01 हितग्राही को दिव्यांग सहायक उपकरण और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्रामीणों को मनरेगा जॉब कार्ड का वितरण किया गया।

जलदूत एप में शत-प्रतिशत प्रविष्टि कर वाड्रफनगर बना प्रदेश में अग्रणी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन की जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन संबंधी पहल को बलरामपुर जिले के विकासखंड वाड्रफनगर ने नई उपलब्धि दिलाई है। जलदूत एप में प्री-मानसून भू-जल स्तर मापन संबंधी शत-प्रतिशत डेटा प्रविष्टि कर वाड्रफनगर प्रदेश में अग्रणी विकासखंड बन गया है।

कलेक्टर चन्दन संजय त्रिपाठी एवं जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत वाड्रफनगर द्वारा यह कार्य निर्धारित समय-सीमा से पहले पूर्ण किया गया। जनपद स्तर पर प्रभावी कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग एवं बेहतर रणनीति के माध्यम से सभी ग्राम पंचायतों में भू-जल स्तर मापन का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। जनपद पंचायत वाड्रफनगर अंतर्गत 95 ग्राम पंचायतों के 120 ग्रामों में चिन्हित 360 कूपों का भू-जल स्तर मापकर जलदूत एप में शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित की गई।

उल्लेखनीय है कि इस कार्य की अंतिम तिथि 15 जून 2026 निर्धारित थी, लेकिन विकासखंड ने लक्ष्य को समय-पूर्व हासिल कर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

भू-जल स्तर मापन से प्राप्त आंकड़े जल संरक्षण, जल संवर्धन एवं भू-जल पुनर्भरण संबंधी कार्यों के वैज्ञानिक आकलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन आंकड़ों के आधार पर ग्राम स्तर पर भविष्य की कार्ययोजना तैयार करने के साथ ही मनरेगा अंतर्गत जल संरक्षण संरचनाओं के बेहतर नियोजन एवं प्रभावी क्रियान्वयन में भी सहायता मिल रही है। विगत तीन वर्षों से नियमित रूप से किए जा रहे इस कार्य से ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने तथा वर्षा जल संरक्षण की दिशा में ठोस पहल को बढ़ावा मिला है।

भविष्य के शिल्पकारों की परीक्षा शुरू

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित डीएलएड (डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन) परीक्षा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) दंतेवाड़ा में प्रारंभ हो गई है। यह परीक्षा 28 मई से 12 जून 2026 तक आयोजित की जा रही है, जिसमें कुल 181 नियमित छात्र अध्यापक शामिल हो रहे हैं। वहीं 29 मई से द्वितीय वर्ष की परीक्षा भी शुरू हो गई है। परीक्षा की निष्पक्षता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन और माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है तथा प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन के लिए परिवहन अधिकारी की नियुक्ति की गई है।

1076 पर दर्ज कर सकेंगे शिकायत, सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचेगी जानकारी

सीएम हेल्पलाइन के प्रभावी संचालन हेतु अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सेवा के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला कार्यालय कोंडागांव के सभाकक्ष में एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के दौरान सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सलाहकार अशोक चौबे एवं प्रशिक्षक पवन तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन प्रणाली पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। इनमें यूनिक टोकन नंबर के माध्यम से शिकायतों की ट्रैकिंग, समयबद्ध निराकरण के लिए एसएलए आधारित व्यवस्था, समाधान उपरांत नागरिकों से संतुष्टि फीडबैक, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा तथा एमआईएस डैशबोर्ड के जरिए सतत निगरानी शामिल है।

उन्होंने बताया कि सीएम हेल्पलाइन कॉल सेंटर 24 घंटे संचालित रहेगा और नागरिक टोल फ्री नंबर 1076 के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे तथा उसकी स्थिति की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। शिकायत दर्ज होने के बाद उसकी जानकारी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचेगी।

सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा संचालित इस प्रणाली का उद्देश्य नागरिकों को शिकायत पंजीयन, शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी तथा समयबद्ध समाधान के लिए एकीकृत, सुलभ और विश्वसनीय मंच उपलब्ध कराना है। शिकायतों के निराकरण का प्रयास सात दिनों के भीतर किया जाएगा। मुख्यमंत्री एवं उनका सचिवालय इसकी नियमित मॉनिटरिंग करेंगे, जिससे आम नागरिकों को त्वरित राहत मिल सके।

सीएम हेल्पलाइन को एक केंद्रीकृत एवं तकनीक आधारित शिकायत निवारण प्रणाली के रूप में विकसित किया गया है। नागरिक फोन, व्हाट्सएप, वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप तथा लिखित आवेदन के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकेंगे। प्रत्येक शिकायत को एक विशिष्ट टोकन नंबर प्रदान किया जाएगा, जिससे उसकी रियल-टाइम ट्रैकिंग संभव होगी।

शिकायतों के निराकरण के लिए चार स्तरीय व्यवस्था बनाई गई है। एल-1 स्तर पर ब्लॉक, एल-2 पर जिला, एल-3 पर संभाग अथवा निदेशालय तथा एल-4 पर सचिव या विभागाध्यक्ष स्तर पर शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। निर्धारित समय-सीमा में समाधान नहीं होने पर शिकायत स्वत: अगले स्तर पर प्रेषित हो जाएगी।

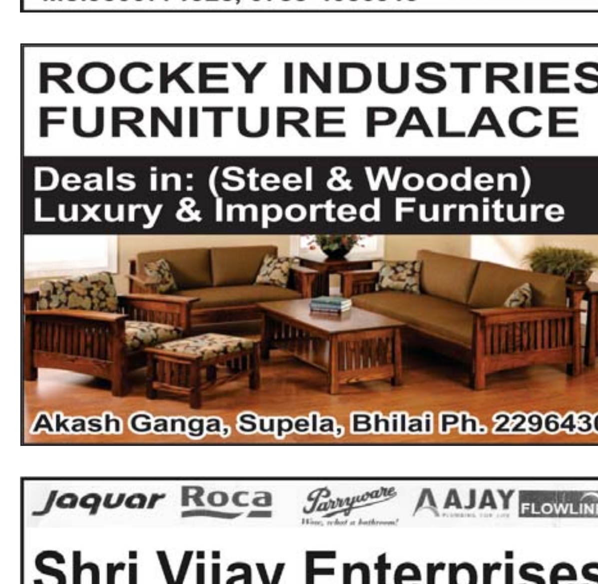

दोस्त को चाकू गोदकर मार डाला, बहन से बातचीत के शक में हुआ था झगड़ा, आरोपियों के घर तोड़फोड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर से लगे मंदिर हसौद में शुक्रवार देर रात युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी के घर में तोड़फोड़ कर दी। बाहर खड़ी गाड़ी में आग लगा दी। यह मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है।

पुलिस ने 2 आरोपियों को हिरासत में लिया है। इनमें एक नाबालिग है। पुलिस के अनुसार मृतक तोषक भारती और दोनों आरोपी आपस में दोस्त थे। घटना से पहले तीनों साथ घूमने गए थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि तोषक को शक था कि उसकी बहन और नाबालिग आरोपी के बीच बातचीत होती थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था।

बता दें कि मंदिर हसौद में 2 दिन में हत्या की यह दूसरी वारदात है। इससे पहले 22 मई से लापता भुवनेश्वर कुमार की लाश महासमुंद में मिली थी। हालांकि, इस मामले में पुलिस ने

पार्षद गोलू रात्रे और उनके 2 दोस्तों को गिरफ्तार किया था।

मृतक की मां सरस्वती भारती ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया है कि 29 मई की रात करीब 9 बजे पलौद चौक स्थित पानी टंकी के पास करण ध्रुव और एक नाबालिग ने तोषक के साथ मारपीट की और चाकू से हमला किया। पुलिस जांच में सामने आया है कि युवक को शक था कि उसकी बहन और नाबालिग आरोपी के बीच बातचीत होती थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ। नाबालिग और करण तोषक को पीटने लग गए। इस दौरान चाकू से हमला कर दिया। घायल तोषक को पुलिस पेट्रोलिंग वाहन से इलाज के लिए आरंग अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। आक्रोशित लोगों ने आरोपी के घर पर हमला कर तोड़फोड़ की। वहीं घर के बाहर खड़ी गाड़ी में आग लगा दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को कंट्रोल किया।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमॉर्टम कराया है। मामले में करण ध्रुव और नाबालिग के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच की जा रही है। घटना के बाद गुस्साए कुछ ग्रामीणों ने आरोपियों के घर और एक पुरानी स्कूटी में तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया। इस मामले में भी पुलिस अलग से कार्रवाई कर रही है।

8 दिन पहले युवक की हत्या कर रेत में दफनाया था शव

इसी मंदिर हसौद इलाके में 22 मई को लापता हुए भुवनेश्वर यादव हत्याकांड का खुलासा भी एक दिन पहले ही हुआ था। मामले में महासमुंद पुलिस ने निर्दलीय पार्षद नोहर दास उर्फ गोलू रात्रे समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि शराब भट्ठी के पास पानी को लेकर विवाद और गाली-गलौज के बाद भुवनेश्वर यादव की हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने शव को कार में ले जाकर महासमुंद के महानदी किनारे रेत में दफ्ना दिया था। बाद में पुलिस ने खुदाई कर शव बरामद किया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में नोहर रात्रे, अमित सिंह राजपूत और हेमचंद बंजारे को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के खिलाफ हत्या और सबूत मिटाने की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

खास खबर

देवांगन मोहल्ला, धुरकोट से 2 खाईवाल पकड़े गए

जांजगीर। आईपीएल मैचों के रोमांच के बीच जांजगीर-चांपा जिले में सक्रिय सटोरियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। राजस्थान रॉयल्स और गुजरात के बीच खेले जा रहे मुकाबले पर सट्टा लगवा रहे दो युवकों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया। एसपी विजय कुमार पाण्डेय के निर्देश पर साइबर सेल, जांजगीर और चांपा पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। दोनों आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 7 के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि मैच के दौरान जांजगीर और चांपा में सट्टा संचालित किया जा रहा है। इसके बाद टीमों ने दबिश दी। जांजगीर थाना क्षेत्र के ग्राम धुरकोट से 25 वर्षीय नरेश धीवर को सट्टा पट्टी और मोबाइल के साथ पकड़ा गया। वहीं चांपा के देवांगन मोहल्ले से 22 वर्षीय रितिक देवांगन को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोबाइल, नगदी और दस्तावेज जब्त किए हैं। लोगों से सट्टे से दूर रहने की अपील की है।

जिला कोर्ट परिसर में खूनी संघर्ष, पेशी पर आए भाई ने भाई पर किया हमला

रायपुर। राजधानी रायपुर के जिला न्यायालय परिसर में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब पेशी पर आए दो सगे भाइयों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। कोर्ट परिसर स्थित पुलिस चौकी के सामने हुए हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों भाई किसी मामले में नियमित पेशी के लिए जिला कोर्ट पहुंचे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। विवाद बढ़ने पर एक भाई ने दूसरे पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना कोर्ट परिसर और पुलिस चौकी के सामने होने से वहां मौजूद वकीलों, पुलिसकर्मियों और आम लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर बताई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में पुलिस पारिवारिक विवाद और पुरानी रंजिश के एंगल से मामले की पड़ताल कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट परिसर में हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

कंपनी के सामान के साथ गांजा तस्करी

महासमुंद में पुलिस ने 3 करोड़ का गांजा पकड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। कंपनी के सामान के आड़ में गांजा तस्करी के खेल पर महासमुंद पुलिस ने ब्रेक लगा दिया है। ओडिशा के बौद्ध जिले से गांजा की खेप कंपनी के सामान के साथ छिपाकर ले जाया जा रहा था। इस बीच महासमुंद पुलिस ने जिले में एंट्री करते ही गाड़ी को रुकवाया और तलाशी में भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने गांजा के साथ टाटा माजदा, 1 मोबाइल, नगदी रकम सहित 3 करोड़,12 लाख, 15 हजार रुपए की संपति जब्त की है। इस मामले में महाराष्ट्र के तस्कर को गिरफ्तार गिरफ्तार किया गया है।

ओडीशा राज्य से लगे अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट के अलावा अब अंदरुनी मार्गों मे भी में एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी पर इंड टू इंड एवं फाइनेशियल इनवेस्टिगेशन, सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी एवं विधिवत कार्यवाही करने की दिशा मे लगातार चेंकिंग कार्यवाही की जा रही है। इसी दरमियान सूचना मिली की एक टाटा माजदा लाल कलर की गाड़ी क्रमांक एमएच-46 सीयू 6060 से एक व्यक्ति मुरमुरी चौक से होते हुए वाहन में कंपनी का सामान के साथ अंदर गांजा रखकर महाराष्ट्र जा रहा है।

सूचना पर मुरमुरी चौक पर वाहनों की जांच प्रारंभ की गई। तभी मुखबिर के बताये हुलिया नंबर की संदिग्ध वाहन सामने से आते दिखा, इशारा कर वाहन रोका गया, पूछताछ करने पर वाहन चालक व्यक्ति ने अपना नाम महबूब बादशाह शेख पिता स्व.अब्बास मियां साबू इमाम शेख उम्र 65 साल साकिन कोलेख कुरलावाली चौल पास साईबाबा मंदिर संजय नगर अंबरनाथ थाना अंबरनाथ जिला ठाने (महाराष्ट्र) का निवासी होना बताया। टाटा माजदा वाहन को चेक करने पर कंपनी के मशीनरी से संबंधी सामान के नीचे एवं पीछे छिपाकर 24 प्लास्टिक बोरी में प्रत्येक में 25 किलो ग्राम कुल 600 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा रखना पाया गया।

उक्त गांजा को जिला बौद्ध उडीसा से जिला ठाणे महाराष्ट्र खुद के लिये ले जाना बताये। जिस पर विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए आरोपी से 600 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा जब्त, किया गया, जिसकी किमत 3,0000,000 रुपए आंकी गई है। साथ ही 1 मोबाइल कीमती 5000, नगदी रकम 10000 रुपए, वाहन कीमती 12 लाख रुपए जुमला 3,12,15000 रुपए को जब्त किया गया है।

आरोपी के खिलाफ धारा 20 (बी),(आई आई),(सी) एनडीपीएस एक्ट का पाये जाने से आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया गया। यह सम्पूर्ण कार्यवाही एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स एवं थाना सिंघोडा पुलिस की टीम के द्वारा की गई।

खेत में बोरी के अंदर मिला युवक का क्षत-विक्षत शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। जिले के पांडातराई थाना क्षेत्र अंतर्गत सोंढा गांव में एक युवक का क्षत-विक्षत शव बोरी में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। शव की हालत देखकर आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या करने के बाद उसके शव के कई टुकड़े कर बोरी में भरकर खेत में फेंक दिया गया।

जानकारी के अनुसार ग्रामीणों को खेत की ओर से तेज दुर्गंध आने पर संदेह हुआ। जब लोगों ने आसपास तलाश की तो एक संदिग्ध बोरी दिखाई दी। इसकी सूचना तत्काल पांडातराई पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब बोरी खोली तो अंदर युवक का शव कई हिस्सों में मिला, जिसे देखकर मौजूद लोग दंग रह गए।

पुलिस ने मृतक की पहचान कोमल वर्मा निवासी बैहरसरी के रूप में की है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। हत्या के कारणों और आरोपियों तक पहुंचने के लिए विभिन्न पहलुओं पर जांच की जा रही है। आसपास के ग्रामीणों और मृतक के परिचितों से पूछताछ की जा रही है, वहीं संदिग्धों की तलाश भी तेज कर दी गई है। इस जघन्य हत्या की वारदात से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच जारी है और जल्द ही इस हत्याकांड का खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

ट्रेन में छिपाकर ले जा रहे थे गांजा, आरोपी फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में गांजा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जीआरपी ने हीराकुंड एक्सप्रेस से 5 लाख रुपए का गांजा जब्त किया है। तस्करों ने गांजा ट्रेन के एसी कोच के बाथरूम की फॉल्स सीलिंग में छिपाकर रखा था। फिलहाल पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक जीआरपी थाना रायगढ़ को कमर्शियल कंट्रोल के माध्यम से सूचना मिली थी कि, अप लाइन की ट्रेन नंबर 20807 हीराकुंड एक्सप्रेस के एम-1 कोच में गांजे की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही जीआरपी की टीम रायगढ़ रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर पहुंच गई। ट्रेन के स्टेशन पहुंचने पर पुलिस टीम ने संबंधित कोच की तलाशी ली। जांच के दौरान एम-1 कोच के बाथरूम की फॉल्स सीलिंग में खाकी रंग के सेलो टेप से लिपटे 10 पैकेट संदिग्ध हालत में मिले। पुलिस ने पैकेटों की जांच की तो उनमें गांजा भरा हुआ मिला। कुल 10.200 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई जा रही है।

जीआरपी ने ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की, लेकिन गांजा रखने वाले व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी। शुरुआती जांच में आशंका है कि गांजा ओडिशा की ओर से लाया जा रहा था और किसी अज्ञात तस्कर द्वारा इसकी सप्लाई की जानी थी। इस मामले में जीआरपी रायगढ़ ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस गांजा तस्करी से जुड़े आरोपियों की पहचान और नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हुई है।

घर में अकेली युवती से रेप : रायगढ़ पुलिस ने अरेस्ट कर भेजा जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले में युवक ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। घर में अकेली होने पर मौका पाकर आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई गई, जहां पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक चक्रधर नगर थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला ने 27 मई को महिला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी 19 साल की बेटी के साथ गांव में रहने वाले परिचित युवक कुश सिदार उर्फ छोटे (19) ने रेप किया है। महिला ने बताया कि वह 25 मई को अपने घरेलू काम से ओडिशा गई हुई थी।

27 मई को घर लौटने पर उसे उसकी बेटी ने घटना की जानकारी दी। पूछताछ करने पर

युवती ने बताया कि 26 मई की सुबह जब उसके पिता घर से बाहर काम पर गए हुए थे, उसी दौरान कुश सिदार उर्फ छोटे घर में आया, उसके साथ जबरन दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद कुश वहां से भाग गया।

घटना की सूचना पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 64(2)(के) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

अपराध संबंधी सूचना पुलिस को दें- एसएसपी

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि महिलाओं, युवतियों, कमजोर वर्गों की सुरक्षा पुलिस की पहली प्राथमिकता है। ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए आरोपियों को कानून के दायरे में लाया जाएगा।

समाज के सभी लोगों से अपील है कि महिलाओं, बच्चों के खिलाफ होने वाले किसी भी अपराध की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाया जा सके।

पांच आरक्षकों पर एसएसपी की कार्रवाई, तीन आरक्षक नौकरी से बर्खास्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर जिले के पुलिस कप्तान डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह के द्वारा पुलिस रेगुलेशन के नियम 221(अ) में प्रदत्त शक्तियों के तहत, अपने कर्तव्य के प्रति घोर अनुशासन हीनता, उदासीनता एवं स्वेच्छाचारिता बरतने वाले जिले के पांच आरक्षकों के विरुद्ध विभागीय जांच के उपरांत अंतिम आदेश पारित किया गया।

जिसमें से तीन आरक्षक क्रमशः आरक्षक 737 संतोष कुमार राम, आरक्षक 525 नेल्सन तिग्गा को बार बार लंबे समय से गैर हाज़िर रहने के आदि पाए जाने पर सेवा से पृथक तथा आर.47 इरीमियस कुजूर को एक वेतन वृद्धि के के बराबर धनराशि की कमी संचयी प्रभाव से एवं आर.144 बिंदेश्वर राम को आरक्षक के न्यूनतम वेतनमान मे, जिसका प्रभाव भविष्य के वेतन वृद्धि एवं पेंशन पर भी पड़ेगा के दण्ड से दंडित किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार लंबी अवधि तक अनाधिकृत रूप से गैर हाज़िर रहकर कर्तव्य के प्रति स्वेच्छाचारिता, घोर लापरवाही एवं अनुशासन हीनता का प्रदर्शन करते हुए, बार बार सेवा का अवसर प्रदाय करने के बावजूद सेवा शर्तों का उल्लंघन करने पर जशपुर जिले के पांच पुलिस आरक्षकों क्रमशः संतोष कुमार राम, नेल्सन तिग्गा, अशोक कुमार एक्का, इरीमियस कुजूर व बिंदेश्वर राम के विरुद्ध विभागीय जांच संस्थित की गई थी। मामले में डी आई जी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ लाल उमेद सिंह ने बताया कि पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारीयों के द्वारा अनुशासन हीनता, उदासीनता स्वेच्छाचारिता कतई बर्दास्त नहीं की जाएगी।

आरक्षक 737 संतोष कुमार राम की सेवा पुस्तिका का अवलोकन करने पर उसके द्वारा अपनी 13 वर्ष की सेवा में 33 बार अलग अलग समय में कुल 469 दिन तक गैर हाज़िर रह कर स्वेच्छाचारिता व अनुशासन हीनता का प्रदर्शन किया गया था। पूरे सेवाकाल में उसे कुल 09 इनाम मिले थे जबकि 23 सजा मिली थी, उक्त आरक्षक के द्वारा बार बार अवसर प्रदाय करने के बावजूद, अपने कर्तव्य के प्रति उदासीनता प्रदर्शित की जा रही थी, वर्तमान में वर्ष 2023-24 तक कुल 106 दिवस की लंबी गैर हाज़िर रहने पर विभागीय जांच की गई थी, जांच उपरांत उसे सेवा से पृथक कर दिया गया है।

इसी प्रकार आरक्षक 525 नेल्सन तिग्गा, के द्वारा अपनी 17 वर्ष की सेवा में, अलग अलग समय में कुल 28 बार में 923 दिवस गैर हाज़िर रहा गया है, सेवा के द्वारा उसे 27 सजा दी गई है, जिसमें 16 निंदा व 11 बड़ी सजा शामिल है, बार बार अवसर प्रदाय करने के बावजूद अपनी गलतियों को दोहराने पर उसके विरुद्ध विभागीय जांच संस्थित की गई थी, जांच के दौरान बार बार नोटिस देने पर भी, उक्त आरक्षक के द्वारा जांच हेतु उपस्थित नहीं हो रहा था। इसे भी सेवा से पृथक किया गया है।

हत्या की साजिश में पांच साल से फरार हथियार सप्लायर उड़ीसा से गिरफ्तार

बिलासपुर। जिस शख्स ने पुरानी रंजिश को खूनी अंजाम तक पहुंचाने के लिए देसी कट्टा और कारतूस उपलब्ध कराए थे, वह पांच साल तक पुलिस की पकड़ से दूर रहा, लेकिन आखिरकार मोपका चौकी पुलिस ने उसे उड़ीसा से दबोच लिया। हत्या की साजिश से जुड़े इस सनसनीखेज मामले में फरार आरोपी की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने लंबे समय से लंबित एक महत्वपूर्ण कड़ी को जोड़ दिया है।

मामला थाना सरकंडा के अपराध क्रमांक 1371/2021 से जुड़ा है, जिसमें धारा 115, 120बी आईपीसी तथा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। पुलिस के अनुसार 23 अक्टूबर 2021 को तत्कालीन थाना प्रभारी सरकंडा निरीक्षक परिवेश तिवारी अपनी टीम के साथ टाउन पेट्रोलिंग और अपराधियों की तलाश में निकले थे।

इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बंगालीपारा गली नंबर-3 के पास कुछ युवक किसी गंभीर वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर कार्रवाई की और सुमेश कश्यप निवासी ग्राम नेवसा थाना रतनपुर को पकड़ा। अपने साथियों रॉकी उर्फ करण कश्यप निवासी गिधौरी और किशन कश्यप निवासी गिधौरी के साथ मिलकर पुरानी रंजिश के चलते मोंटी कश्यप निवासी नेवसा की हत्या की योजना बना रहा था।

जांच में सामने आया कि हत्या के लिए देसी कट्टा और कारतूस उड़ीसा के राजगंगपुर निवासी कुंदन सागर उर्फ कुंदन शा ने उपलब्ध कराए थे। उस समय पुलिस ने सुमेश कश्यप के कब्जे से एक देसी कट्टा और एक कारतूस तथा रॉकी उर्फ करण कश्यप के कब्जे से एक कारतूस बरामद किया था। मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका था, लेकिन हथियार उपलब्ध कराने वाला मुख्य साजिशकर्ता कुंदन सागर घटना के बाद से फरार चल रहा था।

आरोपी कुंदन सागर उर्फ कुंदन शा पिता लाल बहादुर शा, उम्र 28 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

7.5 लाख का ट्रैक्टर चोरी, चोरी का माल छिपाने वाला गिरफ्तार

बैकुंठपुर। रात के अंधेरे में घर के आंगन से 7.50 लाख रुपये का ट्रैक्टर चोरी कर फरार हुए आरोपियों की योजना उस समय धरी की धरी रह गई, जब पटना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी गया ट्रैक्टर बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। थाना पटना क्षेत्र के ग्राम कोशिला निवासी तरुण कुमार सोलंकी ने पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कराई कि 28 मई की रात उसने अपना ट्रैक्टर जिसकी अनुमानित कीमत 7 लाख 50 हजार रुपये है, घर के सामने स्थित आंगन में खड़ा किया था। रात में सोने के बाद जब वह 29 मई की सुबह करीब 6 बजे उठा तो ट्रैक्टर अपने स्थान पर नहीं मिला। ट्रैक्टर चोरी कर ले जाने की शिकायत पर थाना पटना में अपराध क्रमांक 149/2026 के तहत धारा 331(4) एवं 305 भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

खास खबर

जीवन दायिनी दूध नदी के स्वच्छता अभियान में जुटे जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन और नगरवासी

उत्तर बस्तर कांकेर। कांकेर नगर की जीवनदायिनी दूध नदी का संरक्षण एवं सफाई करने के उद्देश्य से स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें जनप्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी तथा नगर के स्वयंसेवी संगठनों व नगरवासियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान पुराने बस स्टैण्ड के पीछे दूध नदी के अपवाह क्षेत्र में संयुक्त रूप से सघन स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया, जिसमें कांकेर विधायक आशाराम नेताम, नगर पालिका कांकेर के अध्यक्ष अरूण कौशिक सहित कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर एवं विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों के सदस्यों ने हिस्सा लेकर साफ-सफाई की। स्वच्छता अभियान के दौरान नदी के किनारों पर डंप किए गए कचरों को हटाया गया तथा खरपतवारों को निकाला गया। विधायक श्री नेताम, कलेक्टर सहित जिला पंचायत के सीईओ हरेश मण्डावी, एसडीएम कांकेर अरूण वर्मा, विभिन्न वार्डो के पार्षदगणों ने भी हिस्सा लेकर सुबह 6 से 8 बजे तक स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान विधायक ने नदी के दोनों किनारों पर मानसून के आगमन पर नारियल एवं आम के पौधे रोपित करने तथा टो-वॉल निर्मित करने के निर्देश दिए। साथ ही नदी के तट की दोनों ओर अतिक्रमण हटाकर पाथ-वे निर्माण करने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष को कहा। उन्होंने नगरवासियों से प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को अभियान चलाकर दूध नदी को स्वच्छ और निर्मल बनाने की अपील की। साथ ही नागरिकों को निर्धारित स्थल पर ही कचरों को डंप करने की बात कही। नगर के बीचों-बीच बहने वाली दूध नदी को स्वच्छ करने के साथ-साथ सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश एसडीएम कांकेर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को कलेक्टर क्षीरसागर ने दिए। उक्त अभियान में महेश जैन, स्वयं सेवी पप्पू मोटवानी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यशवंत साहू, नगर पालिका उपाध्यक्ष उत्तम यादव, चेम्बर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष अनूप शर्मा, राजा देवनानी, पार्षदगण शकुंतला जैन, चित्ररेखा जैन, मंजू सारथी, उगेश्वरी उईके सहित काफी संख्या में नागरिकों ने हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान

13 किलोमीटर पैदल चलकर बड़ेपल्ली पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम, 227 का किया परीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

दंतेवाड़ा। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत दंतेवाड़ा जिले के दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार सक्रिय है। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग की टीम बैलाडीला के पहाड़ी क्षेत्र में स्थित सुदूर ग्राम बड़ेपल्ली पहुंची। टीम को लगभग 13 किलोमीटर का कठिन पहाड़ी मार्ग पैदल तय करना पड़ा। घने जंगलों, ऊबड़-खाबड़ रास्तों और दुर्गम पहाड़ियों को पार करते हुए स्वास्थ्य कर्मियों ने गांव तक पहुंचकर ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराईं।

अभियान का उद्देश्य ऐसे पहुंचविहीन क्षेत्रों में निवासरत लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाओं और शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, जहां सामान्य परिस्थितियों में चिकित्सा सेवाएं आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाती हैं।

शिविर में ग्राम बड़ेपल्ली में 227 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। जिनमें मलेरिया, सिकल सेल, हीमोग्लोबिन, मधुमेह (शुगर), रक्तचाप सहित अन्य आवश्यक लैब परीक्षण शामिल रहे। जांच के माध्यम से स्वास्थ्य स्थिति का आकलन कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं परामर्श प्रदान किया गया। गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया। बच्चों का टीकाकरण भी किया गया। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिला की पहचान की गई, जिसे बेहतर उपचार एवं सुरक्षित प्रसव के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। हाइपरटेंशन और डायबिटीज के 12 मरीजों को उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा गया। ग्रामीणों को निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। साथ ही ग्रामीणों को स्वास्थ्य शिक्षा, पोषण, स्वच्छता और विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में जानकारी दी गई। आयुष्मान भारत योजना के तहत मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं एवं आयुष्मान कार्ड के लाभों की जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई। स्वास्थ्य कर्मियों ने ग्रामीणों को शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित करते हुए सुरक्षित मातृत्व के महत्व को समझाया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय रामटेके ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के माध्यम से जिले के सुदूर एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

ग्रीष्मकालीन शिविर : बैगा बच्चों को सिखा रहे तैराकी की आधुनिक तकनीक

श्रीकंचनपथ समाचार

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन नगर पालिका परिषद पेंड्रा के तरणताल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। शिविर में गौरेला के जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा जाति के बालक और बालिकाओं को विशेष अवसर दिया गया है जो प्रतिदिन सुबह और शाम दोनों पालियों में तैराकी के खेल कौशल से रूबरू व पारंगत हो रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर के पदक प्राप्त खिलाड़ी प्रशिक्षकों द्वारा गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यों तों तैराकी खेल को सीखने के लिए ज्यादा समय चाहिए, लगातार अभ्यास से ही इस विधा को सीखा जा सकता है, दूरस्थ अंचल से आकर सभी विधा को नहीं सीखा जा सकता। इसमें फ्रीस्टाइल, बैक स्ट्रोक, बटर स्ट्रोक, ब्रेस्ट स्ट्रोक, मिडले आदि को इतने कम समय पर नहीं सीखा जा सकता। लेकिन ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर विशेष पिछड़ी जनजाति के खिलाड़ियों के लिए वरदान साबित हो रहा है।

तंबाकू मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने में सबकी भूमिका जरूरी : महिला बाल विकास मंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व तंबाकू निषेध दिवस 31 मई के अवसर पर समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रदेशवासियों से तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि तंबाकू सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज तीनों के लिए गंभीर खतरा है।

समाज कल्याण ने अपने संदेश में कहा कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का महत्वपूर्ण अवसर है। तंबाकू के सेवन से कैंसर, हृदय रोग, श्वसन संबंधी बीमारियों सहित कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार नशा मुक्ति अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। स्कूलों, महाविद्यालयों तथा ग्राम पंचायतों में विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त समाज का निर्माण किया जा सके।

श्रीमती राजवाड़े ने युवाओं से सकारात्मक सोच एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि नशे से दूरी ही सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने सभी नागरिकों से तंबाकू मुक्त छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

राष्ट्रीय आम महोत्सव : शेफ आकांक्षा रॉय ने सिखाई आम के विभिन्न व्यंजनों की रेसिपी, दिखाई दी आम की कई प्रजातियां

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव में आमों की सुगंध और स्वाद से रायपुर शहर सराबोर हो गया है। महोत्सव के दूसरे दिन बड़ी संख्या में आम प्रेमी एवं दर्शक पहुँचे। आगंतुकों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित आम की विभिन्न दुर्लभ, लोकप्रिय एवं उन्नत किस्मों का अवलोकन कर उनकी विशेषताओं, स्वाद, रंग, आकार एवं उत्पादन संबंधी जानकारी प्राप्त की।

प्रसिद्ध शेफ आकांक्षा रॉय द्वारा आम प्रेमियों को आमों के विभिन्न व्यंजनों की रेसिपी सिखाई गई। उनके द्वारा बनाये गए आमों के विभिन्न व्यंजनों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। आम महोत्सव में विभिन्न राज्यों से आए आम उत्पादक कृषक द्वारा आम की विविध किस्मों के फलों का विक्रय किया जा रहा है। विक्रय स्टॉलों पर भी लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। आगंतुकों ने अपनी पसंदीदा किस्मों के आमों की खरीदारी की। अल्फांसो, केसर, दशहरी, फज़ली और अरूणिमा किस्मों की अधिक मांग रही।

महोत्सव में आम की विविधता, स्वाद और कृषि नवाचारों को करीब से जानने का अवसर मिलने से दर्शकों में विशेष उत्साह देखा गया। यह आयोजन आम उत्पादकों, उद्यमियों एवं आम प्रेमियों के लिए ज्ञान, व्यापार और स्वाद का एक अनूठा मंच बनकर उभर रहा है।

श्री गुरु अर्जुन देव जी का बलिदान देता है सत्य, सेवा और मानवता की रक्षा का अमर संदेश : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के तेलीबांधा स्थित गुरुद्वारा परिसर में छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा आयोजित विशाल छबील एवं छायाचित्र प्रदर्शनी में शामिल होकर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया और उनके महान बलिदान को मानवता, सत्य तथा सेवा की रक्षा का अमर संदेश बताया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने राहगीरों को शरबत एवं प्रसादी वितरित कर सेवा परंपरा में सहभागी बनते हुए समाज को परोपकार, संवेदना और मानवीय मूल्यों का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सिक्ख समाज ने मुख्यमंत्री को पगड़ी पहनाकर आत्मीय स्वागत किया।

"शहीदी दिवस पर आयोजित 'छबील सेवा' केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा, करुणा, भाईचारे और मानवता की जीवंत अभिव्यक्ति है। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों को ठंडा और मीठा शरबत पिलाना निस्वार्थ मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है।" - विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुद्वारा परिसर में आयोजित श्री गुरु अर्जुन देव जी के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में उनके दिव्य जन्म से लेकर शहादत तक की प्रेरक और गौरवपूर्ण यात्रा को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया था। इसमें गुरु गद्दी की प्राप्ति, हरमिंदर साहिब गुरुद्वारा के निर्माण, आदि ग्रंथ साहिब के संकलन, जहांगीर से वैचारिक संघर्ष, गिरफ्तारी, असहनीय यातनाओं के बीच अडिग आस्था का विस्तृत चित्रण शामिल था।

श्री साय ने कहा कि श्री गुरु अर्जुन देव जी त्याग, तपस्या, सत्य, सेवा और मानवता की महान प्रतिमूर्ति थे। उनका संपूर्ण जीवन समाज को प्रेम, समानता, करुणा, समर्पण और मानव कल्याण का मार्ग दिखाता है।

उन्होंने कहा कि गुरु अर्जुन देव जी ने अन्याय, अत्याचार और दमन के सामने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। असहनीय यातनाओं के बावजूद उनका धैर्य, साहस, आत्मबल और ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास आज भी संपूर्ण मानवता के लिए अमर प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि यह नई पीढ़ी को श्री गुरु अर्जुन देव जी के जीवन, संघर्ष, आध्यात्मिक चेतना और महान बलिदान से परिचित कराने का सराहनीय प्रयास है। इतिहास तभी जीवंत रहता है, जब नई पीढ़ी अपने महापुरुषों के विचारों, मूल्यों और त्याग से जुड़ी रहती है।

आर संगीता ने किया बिहान रसोई एवं बिहान चौपाटी का औचक निरीक्षण

गरियाबंद। जिले की प्रभारी सचिव आर. संगीता ने जिले के विभिन्न विकास कार्यों एवं जनहितकारी गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बिहान रसोई एवं बिहान चौपाटी का औचक निरीक्षण कर वहां संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया। उनके साथ जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर भी थे। प्रभारी सचिव ने बिहान रसोई के संचालन, भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था, खाद्य सामग्री के रख-रखाव तथा स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने भोजन तैयार करने की प्रक्रिया, रसोई परिसर की साफ-सफाई तथा हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्व-सहायता समूह की दीदियों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएं आज आजीविका गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

छत्तीसगढ़ के चप्पे चप्पे में बिखरी हैं अति प्राचीन विरासतें

धार्मिक पर्यटन : इंद्रावती-नारंगी के तट पर स्थित है 11वीं शताब्दी का प्राचीन विष्णु मंदिर

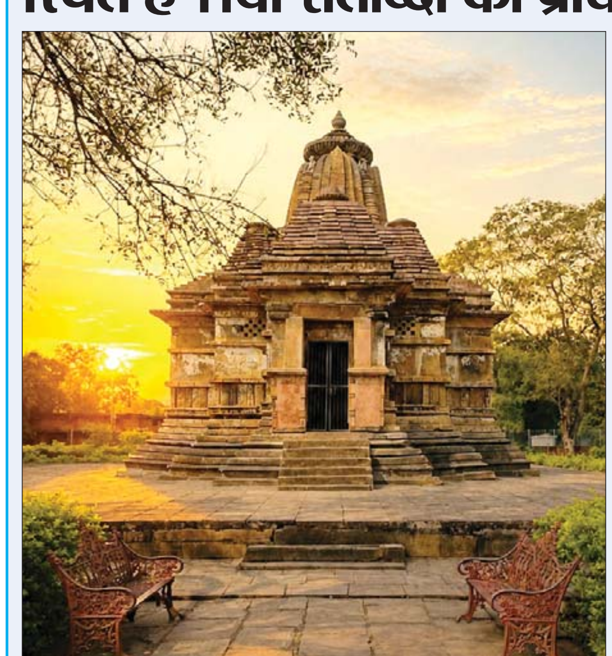

छत्तीसगढ़ का बस्तर अंचल अपनी प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए देशभर में विशेष पहचान रखता है। घने जंगलों, जलप्रपातों और प्राचीन मंदिरों से समृद्ध यह क्षेत्र हर वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है। इन्हीं धरोहरों में एक महत्वपूर्ण स्थल है नारायणपाल विष्णु मंदिर, जो बस्तर जिले के नारायणपाल गांव में इंद्रावती और नारंगी नदियों के संगम के समीप स्थित है। यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि भारतीय स्थापत्य कला, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत का भी अनूठा उदाहरण है।

नारायणपाल का प्राचीन विष्णु मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि बस्तर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण प्रतीक है। सदियों पुरानी यह धरोहर आज भी भारतीय कला, संस्कृति और स्थापत्य परंपरा की गौरवशाली कहानी को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती है।

चालुक्य और नागर शैली में बना है प्राचीन मंदिर

यह मंदिर लगभग 11वीं शताब्दी में निर्मित हुआ माना जाता हैस बस्तर क्षेत्र का यह एकमात्र प्राचीन विष्णु मंदिर है, जिसकी वास्तुकला में चालुक्य और नागर शैली का अद्भुत संगम दिखाई देता है।

मंदिर की ऊंची शिखर शैली, अष्टकोणीय मंडप, सुंदर स्तंभ और पत्थरों पर की गई बारीक नक्काशी आज भी लोगों को आकर्षित करती है। मंदिर की दीवारों और प्रवेश द्वार पर उकेरी गई कलाकृतियां उस समय के शिल्पकारों की उत्कृष्ट कला-कौशल को दर्शाती हैं। इतिहासकार इस मंदिर को खजुराहो कालीन स्थापत्य परंपरा का समकालीन उदाहरण भी मानते हैं।

प्रकृति, आस्था और इतिहास का अद्भुत संगम

मंदिर का वातावरण शांत और आध्यात्मिक अनुभूति से भरपूर है। इंद्रावती और नारंगी नदियों का संगम इस स्थल की सुंदरता को और मनमोहक बना देता है। सुबह और शाम के समय मंदिर परिसर और नदी किनारे का दृश्य पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करता है।

यहां प्रकृति, आस्था और इतिहास का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यही कारण है कि धार्मिक श्रद्धालुओं के साथ-साथ इतिहासकार, वास्तुकला प्रेमी और फोटोग्राफी के शौकीन पर्यटक भी बड़ी संख्या में यहां पहुंचते हैं।

करीब ही है चित्रकोट का अद्भुत जलप्रपात

चित्रकोट जलप्रपात के निकट स्थित होने के कारण नारायणपाल मंदिर का पर्यटन महत्व और बढ़ जाता है। चित्रकोट जलप्रपात घूमने आने वाले अधिकांश पर्यटक इस ऐतिहासिक मंदिर का भी भ्रमण करते हैं।

बरसात और सर्दियों के मौसम में यहां का प्राकृतिक सौंदर्य चरम पर होता है। चारों ओर फैली हरियाली, बहती इंद्रावती नदी और प्राचीन मंदिर की भव्यता इस स्थान को अत्यंत आकर्षक बना देती है। यहां आने वाले पर्यटक प्राचीन भारतीय स्थापत्य कला को करीब से देख सकते हैं और बस्तर की सांस्कृतिक विरासत व प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव भी कर सकते हैं। मंदिर परिसर को फोटोग्राफी के लिए भी उपयुक्त माना जाता है।

कैसे पहुंचें

नारायणपाल मंदिर तक पहुंचना आसान है। यह स्थल जगदलपुर से लगभग 35 से 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और सड़क मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। जगदलपुर से टैक्सी, निजी वाहन अथवा स्थानीय परिवहन के माध्यम से यहां पहुंचा जा सकता है। जगदलपुर रेलवे स्टेशन करीब है, जबकि निकटतम हवाई अड्डा जगदलपुर एयरपोर्ट है, जहां से सड़क मार्ग द्वारा मंदिर तक पहुंचा जा सकता है।

उपयुक्त समय

अक्टूबर से फरवरी तक का समय यहां घूमने के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। इस दौरान मौसम सुहावना रहता है और आसपास के प्राकृतिक स्थल भी बेहद आकर्षक दिखाई देते हैं। बरसात के मौसम में इंद्रावती नदी और आसपास की हरियाली का दृश्य मनमोहक होता है।

पत्रकार लोकतंत्र और राष्ट्रनिर्माण के सच्चे सेनानी, समाज को दिशा देने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री विष्णुदेव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी हैं, जो कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर परिश्रम करते हुए सूचनाओं को जन-जन तक पहुंचाते हैं और समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मीडिया की सकारात्मक आलोचना केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि प्रशासन और सरकार को भी आत्ममंथन और बेहतर कार्य की दिशा प्रदान करती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर परिसर के सुंदर सदन में आयोजित पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही। यह आयोजन हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता की गौरवशाली परंपरा पर आधारित ऐसा अद्भुत आयोजन निश्चित रूप से अभिनंदनीय है। रायपुर प्रेस क्लब को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह देश के पुराने और प्रतिष्ठित प्रेस क्लबों में से एक है, जिसका इतिहास समृद्ध और प्रेरणादायी रहा है। रायपुर ने पत्रकारिता जगत को अनेक शिखर पुरुष दिए हैं। मधुकर खेर, मायाराम सुरजन, ललित सुरजन, रमेश नैय्यर और बबन प्रसाद मिश्र सहित अनेक प्रतिष्ठित संपादकों और पत्रकारों ने पत्रकारिता की सशक्त और वैचारिक परंपरा को समृद्ध किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र की आधारशिला है और देश के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तक पत्रकारिता ने हमेशा परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 30 मई 1826 को कोलकाता से जुगल किशोर शुक्ल द्वारा प्रकाशित देश के प्रथम हिंदी समाचार पत्र उदंत मार्तंड ने भारतीय पत्रकारिता की मजबूत नींव रखी। हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्षों की यह गौरवशाली यात्रा गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवर्षि नारद को आदि पत्रकार माना जाता है और इसी कारण पत्रकार बंधु नारद जयंती को सम्मानपूर्वक मनाते हैं। उदंत मार्तंड का प्रकाशन भी नारद जयंती के दिन आरंभ हुआ। उन्होंने कहा कि भारतीय पत्रकारिता ने राष्ट्रवादी चेतना को स्वर देने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महात्मा गांधी, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, माधवराव सप्रे और सुभाषचंद्र बोस सहित अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने पत्रकारिता को सामाजिक जागरण और राष्ट्रीय चेतना के माध्यम के रूप में उपयोग किया। उन्होंने कहा कि जब भी भारतीय पत्रकारिता का गौरवशाली इतिहास लिखा जाएगा, तब छत्तीसगढ़ का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950